दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-9 | अंक-147 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, गुरूवार 12 जून 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

अंबानी ग्रुप का वनतारा देखने पहुंचे सीएम डॉ मोहन यादव | बोले- मध्यप्रदेश में वन्य प्राणियों की होगी देखरेख

प्रदेश में प्रारंभ होंगे नए वन्य प्राणी रेस्क्यू सेंटर: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल/गुजरात। प्रदेश में संभागीय स्तर पर वन्य प्राणियों के उपचार और देखरेख के लिए रेस्क्यू सेंटर खोले जाने की तैयारी के बीच मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज गुजरात के जामनगर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने अंबानी ग्रुप का वनतारा वन्य जीव केंद्र देखा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का सर्वाधिक वन क्षेत्र और वन्यजीवों की विविधता से संपन्न राज्य है। भारत में सबसे अधिक बाघ (टाइगर) मध्यप्रदेश की धरती पर देखने को मिलते हैं।

संभाग स्तर पर आवश्यक हैं रेस्क्यू सेंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब वन्यजीव प्रेमियों के लिए मध्यप्रदेश में किंग कोबरा भी लेकर आए हैं। चीतों को पालपुर कूनो राष्ट्रीय उद्यान से गांधी सागर वन क्षेत्र में छोड़कर एक नया नेशनल पार्क विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक दो नए टाइगर नेशनल पार्क बनने और चीतों के साथ-साथ दूसरे वन्य जीवों की संख्या बढ़ने से संभाग स्तर पर रेस्क्यू सेंटर की आवश्यकता महसूस हो रही है। इन सेंटर्स की स्थापना के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक केवल एक रेस्क्यू सेंटर राजधानी भोपाल स्थित वन विहार में है।

मध्यप्रदेश में जू की संख्या बढ़ेगी

राज्य सरकार प्रदेश में चिड़ियाघरों अर्थात प्राणी उद्यान (जू) की संख्या में भी वृद्धि करने जा रही है। बजट में दो प्राणी उद्यान की स्थापना को स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात में देश का सर्वश्रेष्ठ जू एवं रेस्क्यू सेंटर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वे गुजरात की अध्ययन यात्रा में जामनगर में वन्यजीवों की देखरेख के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे साथ ही वन्यजीवों का आदान-प्रदान कर उनके जीवन रक्षा की संभावनाएं भी तलाशेंगे। प्रदेश के अलग-अलग वन क्षेत्रों में मगरमच्छ और घड़ियालों का बसेरा है।

नागरिकों के साथ-साथ वन्यजीवों के प्रति भी संवेदनशील

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश के कई विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों में वेटनरी कोर्स और वेटनरी अस्पताल शुरू कर पशु चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। निकट भविष्य में इससे संबंधित कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। वन संपदा और वन्यजीवों के संरक्षण का भी व्यापक अभियान प्रदेश में चल रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया है कि अगर किसी वन्यजीव के संकट में होने की जानकारी मिले या दिखाई दे तो नज़दीकी फॉरेस्ट ऑफिसर को सूचित करें।

रू6405 करोड़ की लागत वाली

केंद्रीय कैबिनेट मीटिंग में दो मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को आर्थिक मामलों की कैबिनेट बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बताया कि मीटिंग में झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश को कवर करने वाले दो मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। इन प्रोजेक्ट में 133 चरूवाले कोडरमा-बरकाकाना और 185 केमी वाले बल्लारी-चिकजाजुर का डुअल लाइन करना शामिल है। जिनकी लागत रू6405 करोड़ है। इससे पहले 28 मई को हुई मीटिंग में डेवलपमेंट से जुड़े 5 फैसले लिए गए थे। केंद्र सरकार ने 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस बढ़ाई थी। साथ ही केंद्र सरकार ने 2025-26 के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की ब्याज सब्सिडी योजना को जारी रखने का फैसला किया था। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भारतीय रेलवे की दो मल्टी ट्रैकिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई थी। आंध्र प्रदेश में बदवेल-नेल्लोर के बीच 108 केमी लंबे फोर-लेन हाईवे परियोजना को भी मंजूरी दी गई थी।

देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी मिली थी

पिछली कैबिनेट मीटिंग 14 मई को हुई थी। उस मीटिंग में देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दी गई थी। यह यूनिट 3706 करोड़ रुपए में उत्तर प्रदेश के जेवर में लगाई जाएगी। एचसीएल और फॉक्सकॉन मिलकर इस यूनिट को बनाएंगे। प्लांट में मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमाबाइल्स, पर्सनल कम्प्यूटर, और दूसरे डिस्प्ले डिवाइसेज के लिए डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स बनेंगे। हर महीने 3.6 करोड़ चिप बनेंगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2022 में लॉन्च किया गया था।

नितेश राणे ने कहा-

देवेंद्र फडणवीस सबके बाप

पिता बोले- महाराष्ट्र सीएम लोगों के सेवक

मुंबई। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद नारायण राणे ने बुधवार को अपने बेटे और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे के बयान से किनारा कर लिया है। दरअसल, नितेश राणे ने 7 जून को कहा था कि देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र में सबके बाप हैं। नारायण राणे ने बेटे के बयान को गलत बताया और कहा कि फडणवीस जनता के सेवक हैं। नारायण राणे ने कहा, नितेश ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, वह गलत था। उन्हें बाप शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। मैंने उन्हें समझा दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री किसी के पिता नहीं, बल्कि लोगों के सेवक हैं। इसको लेकर अब कोई विवाद नहीं है। नितेश राणे ने शनिवार को महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि भाजपा कार्यकर्ताओं को ध्यान में रखना चाहिए कि केंद्र में प्रधानमंत्री भाजपा के हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी भाजपा के हैं। इसलिए कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन पावर दिखा रहा है, महाराष्ट्र में सभी के बाप देवेंद्र फडणवीस हैं। नितेश राणे महाराष्ट्र की महायुति सरकार में राज्य मत्स्य पालन और बंदरगाह विकास मंत्री और कंकावली से भाजपा के विधायक हैं। उनके बयान को महायुति में शामिल शिंदे गुट की शिवसेना को सीधी चेतावनी के तौर पर देखा गया।

खड़गे बोले- मोदी ने 11 साल में 33 गलतियां की

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर सवाल उठाए हैं। खड़गे ने बुधवार को कहा कि बीते 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 33 गलतियां की हैं। मैं 65 साल से राजनीति में हूं, लेकिन उनके जैसा झूठ बोलने वाला प्रधानमंत्री कभी नहीं देखा। खड़गे ने कहा, हम झूठ बोलते हैं, गलतियां करते हैं, वोट लेने के लिए युवाओं और गरीबों को मूर्ख बनाते हैं। जब हम उनसे सवाल पूछते हैं तो कभी जवाब नहीं देते। वे अपनी गलतियां कभी स्वीकार नहीं करते हैं। वे सिर्फ बोलते रहते हैं। बता दें कि नरेंद्र मोदी ने 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री के तौर पर अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। मोदी सरकार ने बीते सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल की पहली और कुल मिलाकर 11वीं सालगिरह मनाई। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

गर्मी की लपटों से झुलसा प्रदेश

नौगांव @46.1, छह शहरों में 45 डिग्री से अधिक, भोपाल @43.4

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में लगातार दूसरे दिन गर्मी ने प्रदेश को झुलसा दिया। कई जिलों में लू का असर भी देखा गया। प्रदेश के छह शहरों में पारा 45 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। प्रदेश के 28 शहरों में तापमान 40 डिग्री या इससे ज्यादा रहा। नौगांव सबसे गर्म रहा, जहां पारा 46.1 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में लगातार दूसरे दिन पारा 43.4 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में ऐसा ही मौसम रहने की संभावना व्यक्त की है।

मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान से आ रही गर्म हवाओं के कारण मौसम में बदलाव जारी है। एक ट्रफ उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक उत्तरी मध्यप्रदेश, दक्षिणी छत्तीसगढ़ और मध्य ओडिशा से होकर औसत समुद्र तल से लगभग एक किमी ऊपर बनी हुई है। मंगलवार को छतरपुर जिले का नौगांव में पारा सबसे ज्यादा 46.1 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। वहीं, नर्मदापुरम, गुना, खजुराहो, टीकमगढ़ और सागर में तापमान 45 डिग्री या इससे

भोपाल में पारा 43.4 डिग्री पर टिका

इन शहरों में लू चलने की संभावना

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के नर्मदापुरम, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी जिलों में कहीं-कहीं लू चलने का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

प्रमुख शहरों का तापमान

नौगांव	46.1
नर्मदापुरम	45.9
खजुराहो	45.4
टीकमगढ़	45.2
सागर	45.0
ग्वालियर	44.6
भोपाल	43.4
उज्जैन	43.0
जबलपुर	42.5
इंदौर	40.4

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में अटका मानसून

पिछले 12 दिन से मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा है। इस वजह से एमपी में इसकी एंट्री लेट हो रही है। अगले 2 से 3 दिन तक मानसून के आगे बढ़ने की संभावना कम ही है। यानी, मानसून 15 जून तक प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। 12 जून से फिर से बारिश का दौर शुरू हो जाएगा।

गुड न्यूज | हिमाचल में अब चीन बॉर्डर तक जा सकेंगे टूरिस्ट

आजादी के बाद पहली बार खुला शिपकिला दर्रा

शिमला (एजेंसी)

हिमाचल प्रदेश का शिपकिला पास अब पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 10 जून को शिपकिला पास को पर्यटन गतिविधियों के लिए खोलते हुए इसे भारत-चीन बॉर्डर के नजदीक स्थित एक प्रमुख स्थल के रूप में प्रस्तुत किया। यह पास आजादी के बाद पहली बार आम जनता के लिए खोला गया है, और अब देशभर के पर्यटक शिपकिला पास तक जा सकेंगे। किसी भी पर्यटक को शिपकिला पास तक पहुंचने के लिए अपना आधार कार्ड दिखाना होगा। किन्नौर के खाब में आईटीबीपी की चेक पोस्ट पर पहचान पत्र दिखाने के बाद ही उन्हें आगे जाने की अनुमति मिलेगी। अब तक, पर्यटक केवल खाब तक ही जा सकते थे, लेकिन अब शिपकिला तक यात्रा की अनुमति दी जाएगी। फिलहाल शिपकिला पास केवल भारतीय पर्यटकों के लिए खोला गया है, और विदेशी पर्यटकों को अनुमति नहीं मिलेगी।

सीएम सुक्खू की योजना: मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने कहा कि शिपकिला होते हुए कैलाश मानसरोवर यात्रा को शुरू करने के लिए केंद्र से अनुमति मांगी जाएगी। अगर यह यात्रा शुरू होती है, तो इससे 91 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी। इसके अलावा, शिपकिला के बंद रास्ते को फिर से खोलकर चीन के अधिकृत तिब्बत के साथ व्यापार को भी पुनः शुरू किया जाएगा।

78 साल बाद...

हिमाचल सरकार शिपकिला दर्रा खोलने की मांग पिछले दो दशकों से केंद्र से कर रही थी, और अब केंद्र सरकार ने मई के पहले सप्ताह में इस मार्ग को खोलने की अनुमति दी। आजादी से पहले यह दर्रा भारत-चीन के बीच व्यापार का प्रमुख मार्ग था, जिसे सिल्क रूट भी कहा जाता था। 1962 में चीन-भारत युद्ध के बाद यह दर्रा बंद कर दिया गया था, और 1993 में पुनः व्यापार शुरू हुआ था। कोविड-19 के बाद इसे फिर से बंद कर दिया गया था, लेकिन अब इसे पर्यटन के लिए फिर से खोला गया है।

लंबे अंतराल में कम होने की आशंका

हम दो-हमारे दो से नीचे पहुंची भारत की जन्म दर, महिलाएं औसतन पैदा कर रहीं 1.9 बच्चे

नई दिल्ली, एजेंसी

आबादी नियंत्रण का हम दो-हमारे दो का नारा सच साबित हो रहा है। देश की जन्म दर इससे भी नीचे 1.9 पर पहुंच गई है। यानी, एक महिला औसत 1.9 बच्चे ही पैदा कर रही है। यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम जनसांख्यिकी रिपोर्ट में हुआ है। हालांकि इसमें यह भी कहा गया कि 2025 के अंत तक भारत की आबादी दुनिया में सर्वाधिक 1.46 अरब तक पहुंच जाएगी। रिपोर्ट में दर्शाए गए जनसंख्या संरचना, प्रजनन क्षमता व जीवन प्रत्याशा में महत्वपूर्ण बदलावों से बड़े जनसांख्यिकीय परिवर्तन का संकेत मिलता है। रिपोर्ट के मुताबिक अगले 40 वर्ष में देश की आबादी 1.7 अरब तक जाएगी और उसके बाद कम होना शुरू होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा धीमी जन्म दर के बावजूद युवा आबादी महत्वपूर्ण बनी हुई है।

क्या है पूरा मामला

जीवन प्रत्याशा बढ़ने की उम्मीद

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में बुजुर्ग आबादी वर्तमान में 7 फीसदी है। इस आंकड़े के आने वाले दशकों में जीवन प्रत्याशा में सुधार के साथ बढ़ने की उम्मीद है। 2025 तक, जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पुरुषों के लिए 71 वर्ष और महिलाओं के लिए 74 वर्ष होने का अनुमान है।

इसमें 0-14 आयु वर्ग में 24 प्रतिशत, 10-19 में 17 प्रतिशत और 10-24 में 26 प्रतिशत है। अभी देश की 68 फीसदी आबादी कामकाजी आयु (15-64) की है, जो पर्याप्त रोजगार और नीतिगत समर्थन के साथ संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश प्रदान करती है। लेकिन आने वाली पीढ़ी के लिए कम प्रजनन दर खतरा हो सकती है।

देश में कोरोना के एक्टिव केस 7000 पार

पीएम से मिलने वाले मंत्रियों को आरटी-पीसीआर टेस्ट करवाना होगा

नई दिल्ली। देश में कोरोनावायरस के केसों और मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले सभी मंत्रियों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट कराना अनिवार्य कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। देशभर में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या 7121 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 300 से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 2223 केस हैं। इसके बाद गुजरात में 1223, दिल्ली में 757 और पश्चिम बंगाल में 747 पॉजिटिव मरीज हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोरोना के नए वैरिएंट से 74 मौतें हुई हैं। मंगलवार को 6 लोगों ने जान गंवाई। इनमें केरल में 3, कर्नाटक में 2 और महाराष्ट्र में एक मौत हुई है। बीते 10 दिन में 3000 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 40 मरीजों की मौत हुई है। हर दिन 350 से ज्यादा नए केस दर्ज हो रहे हैं। केरल के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- कोरोना का नया वैरिएंट बुजुर्गों और दूसरी बीमारियों वाले मरीजों के लिए ज्यादा खतरनाक है।

बीसीसीआई ने पूरी दुनिया को बुलाया था

बेंगलुरु भगदड़ की पूरी जिम्मेदारी क्रिकेट बोर्ड और आरसीबी की

बेंगलुरु। बेंगलुरु में हुई भगदड़ के लिए कर्नाटक सरकार ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को जिम्मेदार ठहराया है। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बताया कि इस इवेंट के लिए किसी तरह की अनुमति नहीं ली गई थी और आयोजकों ने सोशल मीडिया के जरिए पूरी दुनिया को इस इवेंट में शामिल होने बुला लिया। हाईकोर्ट में आरसीबी के मार्केटिंग हेड निखिल सोसले और चार अन्य लोगों की गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हो रही है। सोसले ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताया है। सोसले ने 10 जून को कोर्ट में दलील दी थी कि पुलिस अधिकारियों को सिर्फ सस्पेंड किया गया है, वे अरेस्ट नहीं हुए।

विक्ट्री परेड की जानकारी दी गई

राज्य सरकार की तरफ से पेश हुए एडवोकेट जनरल शशि किरण शेट्टी ने कोर्ट को बताया कि ऋष्क ने 29 मई को पंजाब के खिलाफ मैच जीत लिया था। टीम को पहले से पता था कि वे फाइनल में पहुंच चुके हैं। इसके बावजूद उन्होंने विक्ट्री परेड या स्टेडियम में होने वाले जश्न के लिए कोई अनुमति नहीं ली।

देशभर में जल्द लागू होगा नियम

वेटिंग टिकट कन्फर्म हुआ या नहीं, 24-घंटे पहले पता चलेगा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने वेटिंग लिस्ट वाले पैसेंजर्स के लिए नए नियम लेकर आई है। अब यात्रियों को सीट कन्फर्म हुई या नहीं इसकी जानकारी ट्रेन निकलने के एक दिन पहले पता चल जाएगी। रेलवे ने अब चार्ट बनाने का समय ट्रेन के चलने से 24 घंटे पहले कर दिया है। अभी सिर्फ 4 घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट बनाया जाता था। ऐसे में वेटिंग टिकट वालों को आखिरी वक्त तक कंफर्मेशन का इंतजार करना पड़ता था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह नियम 6 जून से बीकानेर डिवीजन में लागू किया गया है। धीरे-धीरे इसे देशभर के अन्य डिवीजनों में भी लागू किया जाएगा। रेलवे ने यह भी कहा कि नए नियम से तत्काल टिकट बुकिंग या अन्य नियमों में कोई बदलाव नहीं होगा।

वेटिंग टिकट पर स्लीपर-एसी कोच में सफर नहीं कर सकेंगे

इससे पहले भारतीय रेलवे ने 1 मई से वेटिंग टिकट के लिए नए नियम लागू किए थे। इनके अनुसार, वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों को अब स्लीपर या एसी कोच में यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। जिन यात्रियों के टिकट वेटिंग लिस्ट में हैं, वे अब सिर्फ जनरल कोच में ही सफर कर सकेंगे। अगर कोई यात्री वेटिंग टिकट पर एसी या स्लीपर कोच में यात्रा करता हुआ पाया जाता है, तो उस पर जुर्माना लगेगा।

संक्षिप्त समाचार

खेरमाई अखाड़ा में श्रद्धांजलि सभा आज

सतना। खेरमाई अखाड़ा के दो वयोवृद्ध पहलवान मदनलाल जैन व सोहनलाल वंशकार का गत दिनों देहावसान हो गया था। देवलोक को गए दोनों पहलवानो की आत्म शांति हेतु श्रधांजली सभा का आयोजन बुधवार 11जून को शाम 5 बजे से खेरमाई अखाड़ा परिसर में किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए खेरमाई अखाड़ा के वरिष्ठ पहलवान बलराम सेन द्वारा बताया गया कि इस मौके पर दादा धूनी वाले दरबार भोपाल के साधक संत दादाभाई के आशीर्वचनों का पुण्य लाभ भी हम सभी को प्राप्त होगा।

पुलिस चौकी से रैगांव बना थाना, 48 गांव शामिल

सतना। म.प्र. शासन गृह विभाग के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक सतना एवं संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी के प्रस्ताव पर विचारोपरांत जिला स्तरीय समिति की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार पुलिस चौकी रैगांव को थाने के रूप में उन्नयन किया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार रैगांव थाना क्षेत्र में विभिन्न थाना के अंतर्गत आने वाले 48 राजस्व ग्रामों को वर्तमान थाना रैगांव में शामिल किया गया है। इसमें तहसील रघुराजनगर के 29, कोठी के 13, मझगवां के 4 तथा नागौद के 2 राजस्व ग्राम शामिल है। रैगांव थाना क्षेत्र में सिंहपुर थाना के 39 ग्राम, मझगवां थाने के 4, कोठी थाने के 3 और नागौद के 2 तथा सिविल लाइन थाना क्षेत्र का 1 ग्राम शामिल किया गया है। कलेक्टर द्वारा जारी अधिसूचना अनुसार तहसील रघुराजनगर अंतर्गत ग्राम शिवपुर, भटिगवां, रैगांव, मुडहा, डिलौरा, डिलौरी, कोरगवां, निपनिया, नरेन्द्रपुर, नारायणपुर, मझियार, कल्हाई, कल्हारी, जिरवार, शहपुरा, धौरहरा, बैलिहा (कछियान), श्रीनगर, गरलगी, इटौरा, ओढकी, कूंची, पडरौत, बांधी, रेहुंटा, मसनहां, गडरा, इटमा तथा राजस्व ग्राम धनखेर को शामिल किया गया है। इसी प्रकार तहसील कोठी अंतर्गत ग्राम करसरा, सेमरिया, बराह, पैकोरा, पैकोरी, खडौरा, खडौरी, नौखड-खुर्द, गरलगा, उजरौंधा, मनिकवार, देवरी तथा घडेरूआ, तहसील मझगवां अंतर्गत ग्राम चकर, पटिहर, अठबरही, म्यान तथा तहसील नागौद अंतर्गत ग्राम रजरवारा एवं बघबई को रैगांव थाना में शामिल किया गया है।

बाढ आपदाः जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम स्थापित

सतना। अतिवर्षा एवं बाढ की स्थिति में निपटने की पूर्व तैयारियों संबंधी जिला स्तरीय विभागों की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार बाढ-आपदा स्थिति में आवश्यक सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

11 हजार केवी लाइन की चपेट में आया डंपर, चालक की दर्दनाक मौत

ईट भट्टे में मिट्टी अनलोड करते समय हुआ हादसा

नगर संवाददाता, सतना।

जिले के बिरसिंहपुर तहसील के अंतर्गत आने वाले रिमारी गांव में मंगलवार देर रात एक हृदयविदारक हादसा हो गया। गांव के पास ही एक ईंट भट्ठे पर मिट्टी गिराने पहुंचे डंपर में ऊपर से गुज़र रही 11 हजार केवी की हाई वोल्टेज बिजली लाइन की चपेट में आने से आग लग गई, जिससे चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो पाई थी।

चिंगारी से भड़की आग

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह हादसा उस वक्त हुआ जब डंपर चालक चेतराम प्रजापति नामक व्यक्ति के ईंट भट्ठे पर मिट्टी गिरा रहा था। इसी दौरान डंपर का ऊपरी हिस्सा हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आ गया। तेज शॉर्ट सर्किट की आवाज के साथ चिंगारी उठी और डंपर में आग लग गई। हाई वोल्टेज करंट के चलते डंपर चालक को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला और वह वाहन के भीतर ही झुलस गया।

मदद के लिए चीखते रहे ग्रामीण

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। कुछ लोगों ने हिम्मत कर चालक को बाहर निकालने का प्रयास भी किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस, फायर ब्रिगेड और बिजली विभाग को सूचना दी लेकिन तकरीबन आधे घंटे से जादा वक्त तक कोई भी राहत टीम मौके पर नहीं पहुंची। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर खासा आक्रोश है कि इतने बड़े हादसे की जानकारी देने के बावजूद दमकल वाहन, पुलिस और विद्युत विभाग की टीम समय पर नहीं पहुंची।

डंपर जलकर खाक

मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त डंपर बिहरा निवासी रामराज नामक व्यक्ति का था। हालांकि समाचार लिखे जाने तक मृतक चालक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। देर रात मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है।प्राथमिक जांच में सामने आया है कि रात के अंधेरे में डंपर चालक को ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की बिजली लाइन दिखाई नहीं दी जैसी ही चालक ने मिट्टी डंप करने के लिए हाईड्रोलिक उठाया वाहन तार के संपर्क में आगया और यह दर्दनाक हादसा हुआ। घटना की सूचना पाकर देर से ही सही, लेकिन सभापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कानूनी कार्यवाही प्रारंभ कर दी है।

कायस्थ समाज ने शीतल जल वितरण कर राहगीरों की बुझाई प्यास

नगर संवाददाता, सतना।

धवारी चौराहा स्थित हनुमान मन्दिर के पास शीतल जल वितरण कर कायस्थ समाज के पदाधिकारियों ने राहगीरों की प्यास बुझाई, विष्णु प्रकाश श्रीवासतव ने बताया कि 1 अप्रैल से शुरू हुए कार्यक्रम में प्रतिदिन गुड़ व बताशे के साथ शीतल जल का वितरण अनवरत् जारी है। प्रान्ताध्यक्ष आनन्द कुमार श्रीवास्तव ने कायस्थ समाज सतना द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के अध्यक्ष दीपक निगम के नेतृत्व में जो कार्य किया जा रहा है वह काबिले ए-तारीफ है। सामाजिक कार्यों में सराहनीय योगदान के लिए जय श्रीवास्तव, जीतेन्द्र कुमार, रावेन्द्र बब्लू श्रीवास्तव, डॉ.डी.के. निगम, संतोष श्रीवास्तव, सुभाष श्रीवास्तव, बब्बू रैकवार, बबलू मौर्य, प्रदीप श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, अखिलेश निगम, सतीश निगम, बृजेश निगम, संजू निगम, उमेश निगम,राज श्रीवास्तव, सुधीर निगम, राजीव अर्गल, पवन श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, आदेश सक्सेना, अनिरुद्ध श्रीवास्तव,अरविंद निगम, पवन खरे का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जन्म-विवाह और मृत्यु प्रारब्ध से निश्चित होती हैः डॉ. विपिन

नगर संवाददाता, सतना।

सरभंग मुनि की पावन तपोस्थली में सरभंगा टाइगर रिजर्व बनाए जाने हेतु आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान द्वारा संकल्पित श्रीमद भागवत कथा के षष्ठम दिवस में कथा व्यास श्री बड़े देव स्वामी आश्रम के महंत भागवत भास्कर आचार्य डॉ श्री विपिन कृष्ण महाराज जी ने भगवान कृष्ण की मथुरा गमन कंस वध और गोपी उद्धव संवाद की मार्मिक कथा का श्रवण कराया और सांय की बेला में भगवान कृष्ण और रुक्मिणी जी का विवाह सानंद संपन्न हुआ जिसमे सभी भक्तो ने धूमधाम से विवाह का आनंद लिया जिसमें प्रमुख रूप से प्रमुख रूप से रमेश मिश्रा अमिरती,कैलाश सिंह बुंदेला, ठाकुर प्रसाद मिश्रा, कुलदीप सिंह पगार, जय सिंह खोरढ़ी, राजेंद्र सिंह खोरढ़ी, अंकित शुक्ला सभापुर, मंटी मिश्रा, बिब्बी मिश्रा, शिवा यादव, रोहित केवट, विक्रम पांडेय, पंकज मिश्रा का अतुलनीय सहयोग प्राप्त हो रहा वहीं इस समय सरभंगा आश्रम में सरभंगा टाइगर रिजर्व के समर्थकों व प्रेमियों का जान सैलाब देखने को मिलता है।

नागौद सीएचसी में डॉक्टर की लिखावट से मरीज परेशान

- एजेंट के जरिए निजी क्लीनिक पहुंचाने के आरोप

नगर संवाददाता, सतना।

जिले के नागौद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक बार फिर डॉक्टर द्वारा लिखी गई पर्ची विवादों में आ गई है। खैरी गांव निवासी ललित चौधरी का आरोप है कि डॉक्टर ने पर्ची इस तरह लिखी कि न तो अस्पताल के फार्मेसी में और न ही बाहर के किसी मेडिकल स्टोर में दवा विक्रेता उसे पढ़ पाए। ललित चौधरी बीमार होने के चलते नागौद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर अमित सोनी को दिखाने पहुंचे थे। डॉक्टर द्वारा दी गई पर्ची लेकर जब वह दवा लेने निकले तो किसी को भी यह पर्ची समझ में नहीं आई। अस्पताल के स्टाफ और बाहर के मेडिकल स्टोर के कर्मचारियों ने भी यह स्वीकार किया कि पर्ची का लेखन स्पष्ट नहीं है और दवाओं को पहचानना मुश्किल है।

एजेंट की सक्रियता का आरोप

दवाइयाँ न मिलने से परेशान होकर ललित चौधरी दोबारा डॉक्टर अमित सोनी के पास पहुंचे। ललित का आरोप है कि इस पर डॉक्टर ने कहा कि सिंगपुर चौराहे स्थित उनके प्राइवेट क्लीनिक में आ जाएं, वहां पर सब मिल जाएगा। ललित ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल परिसर में %पुल्ली% नामक एक एजेंट सक्रिय है। यह एजेंट डॉक्टर द्वारा इसी तरह अस्पष्ट पर्ची लिखवाकर मरीजों को परेशान करता है और फिर उन्हीं मरीजों को डॉक्टर साहब के प्राइवेट क्लीनिक जाने की सलाह देता है। ललित का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है, कई मरीज इस तरह की स्थिति का सामना कर चुके हैं। इस प्रकार की गतिविधियों से न केवल गरीब और ग्रामीण मरीजों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, बल्कि उन्हें बार-बार अस्पताल और मेडिकल स्टोर्स के चक्कर काटने पड़ते हैं।

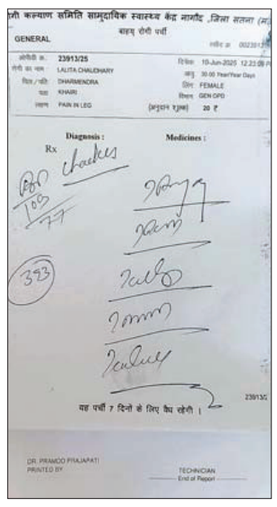

लायंस लंगर में खिचड़ी का वितरण

नगर संवाददाता, सतना।

लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स सतना द्वारा मंगलवार एवं शनिवार को अनवरत जारी लायंस लंगर सेवा के तहत मंगलवार को समाज सेवी आलोक त्रिपाठी एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चन्द्र कमल त्रिपाठी के ज्येष्ठ भ्राता स्व. राकेश कुमार त्रिपाठी की पुण्यतिथि तथा लंगर सेवा के तीन वर्ष पूर्ण होने पर त्रिपाठी परिवार की ओर से श्री हनुमान जी मंदिर सी एम एच ओ आफिस के सामने धवारी सतना मे खीर पूड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व रीजन चेअरपर्सन लायन आलोक त्रिपाठी, क्लब प्रेसिडेंट लायन धर्मेंद्र सेन, लायन जितेन्द्र गर्ग, मिथलेश पाण्डेय, संजय उरमलिया, नर्मदा प्रसाद त्रिपाठी, लायन कृष्ण कुमार द्विवेदी, राजेश श्रीवास्तव, विनोद कुमार गर्ग, कमल कांत पाण्डेय, सुकीर्त त्रिपाठी, सूर्य कमल त्रिपाठी, विनय कमल त्रिपाठी, अभिनव पाण्डेय, प्रकाश सेन, मंदिर के पुजारी पं.जगन्नाथ महराज व साथी उपस्थित रहे।

भाकियू पदाधिकारियों ने किसान समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

नगर संवाददाता, सतना।

भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों द्वारा सदर ब्लाक व पहाड़ी ब्लाक में किसान पंचायत का आयोजन किया गया। जिसके बाद भाकियू पदाधिकारियों ने किसान समस्याओं के समाधान के लिए खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा।

सदर तहसील अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ने बताया कि बेड़ का समय चल रहा है, लेकिन समिति में खाद्य की उपलब्धता नहीं है तथा बीज गोदाम में भी बीज उपलब्ध नहीं है, जिससे किसानों को विलंब हो रहा है। कहा कि गल्ला मंडी परिसर में किसाने के नीलामी चबूतरो से अवैध कब्जा हटाया जाना चाहिए। जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र सिंह ने कहा कि मंडी परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। मंडी में समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराई जानी चाहिए। ब्लॉक अध्यक्ष जसवंत सिंह चौहान ने कहा कि बरसात से पूर्व सभी गौशालाओं में भूस की व्यवस्था व जानवरों को संरक्षित करने की तैयारी सुनिश्चित कर ली जाए। बताया कि गांवों में पीने के पानी को लेकर भारी समस्या है। किसान रामेश्वर सिंह ने कहा कि किसानों खाद नहीं दी जा रही है।

म.प्र. किकबॉक्सिंग का तकनीकी सेमिनार संपन्न

आदित्य प्रताप नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप म.प्र. टीम में शामिल

नगर संवाददाता, सतना।

इंदौर पब्लिक स्कूल कैंपस मे एमेच्योर स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन आफ मध्य प्रदेश के तत्वावधान में वाको मध्य प्रदेश किक बॉक्सिंग टेक्निकल डेवलपमेंट सेमिनार में सतना सहित प्रदेश के लगभग 20 जिलों के लगभग 150 कोच, खिलाड़ियों,पदाधिकारियों एवं निर्णायकों ने भाग लिया। जिसमें जिले से अंबुज सिंह बघेल सहित सीनियर खिलाड़ी आदित्य प्रताप सिंह परिहार और आयुष तिवारी ने हिस्सा लिया। जानकारी देते हुए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और सचिव सेंसाई अंबुज सिंह ने बताया कि इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी से मान्यता प्राप्त विश्व में किक बॉक्सिंग के लिए उत्तरदाई वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ किकबॉक्सिंग ऑर्गेनाइजेशन के रेफरी कमिशन में शामिल भारत के इंटरनेशनल रेफरी केरल के विवेक ए एस ने किक बॉक्सिंग के रिंग इवेंट फुल कॉन्टैक्ट, लो किक और द्य1 स्टाइल जबकि हरियाणा की मैडम सीमा सैनी ने तताामी इवेंट, पॉइंट फाइटिंग, लाइट कांटेक्ट, किक लाइट और फॉर्म्स के बारे में विस्तृत तीन दिवसीय सेमिनार दिया। नियमों का प्रैक्टिकल अभ्यास कराया गया। और अंतिम दिन रिटन और प्रैक्टिकल परीक्षा भी आयोजित हुई। जिसमें अंबुज सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन अवसर पर अति विशेष अतिथि वाको इंडिया के प्रेसिडेंट संतोष कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।

अंधेरगर्दी

नगर निगम के आवेदन पर ढुलमुल है पुलिस का रवैया, चोर पकड़ से दूर

शहर में एक्टिव हैं 436 सीसीटीवी कैमरेः हर प्रमुख मार्ग से चोरी हो रही डिवाइडर रेलिंग

नगर संवाददाता, सतना।

ट्रैफिक की समस्या से निपटने में आईटीएमएस भी आजमाया जा रहा है। इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) भी कहते हैं। स्मार्ट सिटी परिकल्पना के तहत इसे सतना शहर में लागू किया जा चुका है। जिसके बाद शहरी सड़कों पर पूरी तरह लागू होने के बाद बहुत हद तक गेम चेंजर साबित हुआ है। इससे लोगों में ट्रैफिक रूल्स के लिए जिम्मेदार व्यवहार की आदत डालने में मदद मिल रही है। यह सड़कों से जाम की समस्या को भी दूर कर सकता है। हालाकि सतना शहर में अभी निर्माण कार्यों और विकास कार्यो के चलते यातायात सुगम नहीं हो पा रहा है, लेकिन इतना जरूर है कि लोगों में ट्रैफिक सेंस जगाने में अहम भूमिका अदा कर रहा है। वहीं आफ-रोल चालानी कार्रवाई से विभागो ने किनारा कर लिया है। इसी का असर है कि ई-चलानी कार्यवाही के तहत रेड लाइट वॉयलेशन, ट्रिपल राइडिंग, नो हेलमेट सहित ई-चालान काटे गए। जिससे करोड़ों रूपये का राजस्व शासन द्वारा वसूल किया जा चुका है। इसी बीच स्मार्ट सिटी की ओर यह जानकारी साझा की गई है कि सतना शहर में चौबीस घंटे 436 सीसीटीवी कैमरे हर सड़क-हर मोड़ पर एक्टिव है।

इस बीच बड़ी बात यह है कि नगर निगम द्वारा रीवा रोड, बिरला रोड, सतना चित्रकूट रोड, धवारी-सिविल लाइन चौक के डिवाइडर में लगी लोह की रेलिंग निरंतर चोरी हो रही है। नगर निगम द्वारा कई मर्तबा आवेदन और शिकायत के बाद भी पुलिस की पकड़ से रेलिंग पार करने वाले चोर पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर उक्त कैमरे किस काम के जब चोरी पर लगाम नहीं लग पा रही है।

तो क्या यातायात व्यवस्था के लिए लगे हैं कैमरे

इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम ट्रैफिक की समस्या से निपटने का तरीका है। इसके लिए कनेक्टेड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होता है। यह सड़कों पर सेफ्टी लाने में मदद करता है। साथ ही कंजेशन को घटाता है। इसके लिए ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन एंड डेटा कलेक्शन (एआईडीसी) टैग, रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) टैग, एयर क्वालिटी सेंसर और टेम्परेचर सेंसर जैसे कई इंटीग्रेटेड सेंसर का उपयोग किया जाता है। एडवांस वीडियो डिटेक्शन सिस्टम का इस्तेमाल रियल टाइम इनसाइट पाने के लिए होता है। इसके लिए एचडी फुटेज और छवियों उपयोग किया जाता है। ये ट्रैफिक से जुड़ी समस्याओं को हल करते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या करोड़ो रूपए खर्च करके सिर्फ यातायात व्यवस्था दुरूस्त करने का काम किया गया है, या फिर नगर निगम की जो शासकीय प्रापर्टी चोरी हो रही है उसका क्या।

50 फीसदी रेलिंग पार

नगर निगम द्वारा डिवाइडरों में जो भी रेलिंग सुरक्षा दृष्टि या फिर पौध रोपण के लिए लगाई गई थी, असल में उनमे से 50 फीसदी रेलिंग पर चोरो ने हांथ साफ कर दिया है। आयुक्त से लेकर कार्यपालन यंत्री तक पुलिस प्रशासन को उक्त संदर्भ में पत्राचार कर चुके हैं फिर भी पुलिस इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। वहीं बकाया रेलिंगों पर भी चोरो की पैनी नजर है।

काटा और उखाड़ ले गए

शहर में तमाम हाइटेक व्यवस्था होने के बाद भी डंके की चोट पर नगर निगम की शासकीय संपत्ति चोरी हो रही है और जिम्मेदार मूक दर्शक बने हुए हैं। बताया गया कि रेलिंग को काट कर धीरे-धीरे पार किया जा रहा है, ऐसे हालात किसी एक मार्ग के नहीं बल्कि जहां-जहां रेलिंग लगी है तमाम जगहों के हैं।

अपने ही मतदान केन्द्र का मतदाता होगा बीएलओ

नगर संवाददाता, सतना।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 23 मई को दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के सम्मेलन में दिये गये निर्देशानुसार किसी भी मतदान केन्द्र में नियुक्त किया जाने वाला बी.एल.ओ. (बूथ लेवल अधिकारी) अब उसी मतदान केन्द्र का मतदाता होना चाहिए। संबंधित विधानसभा क्षेत्र का ई.आर.ओ. (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी) किसी मतदान केन्द्र के लिए राज्य सरकार या स्थानीय सरकार के किसी भी समूह के सी श्रेणी और उसके ऊपर के नियमित सेवारत कर्मचारियों में से उस केन्द्र का मतदाता होने पर बीएलओ नियुक्त कर सकेगा। इस आशय की जानकारी मंगलवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश सुखबीर सिंह ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग बैठक में दी। सतना एनआईसी के वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष में उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखडे, ईआरओ सतना राहुल सिलाडिया, जनसम्पर्क अधिकारी राजेश सिंह, इलेक्शन सुपरवाइजर द्वारिकेन्द्र सिंह, केबी त्रिपाठी, सोशल मीडिया हैण्डलर समयलाल पाण्डेय भी उपस्थित रहे। शेष सभी ईआरओ वर्चुअल रूप से जुड़े रहे।

संक्षिप्त समाचार

एफएलएन रिफ्रेशर कोर्स का हुआ समापन

रीवा संवाददाता। सांई पब्लिक स्कूल रीवा में गणित विषय का एफएलएन दो दिवसीय रीवा विकासखंड के शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण श्रीमती अनीता सोहगौरा,देवेंद्र सिंह,बृजेश तिवारी, जन शिक्षक अंकित सिंह,राम कृष्ण द्विवेदी,पूर्णिमा मिश्रा जन शिक्षकों एवं मास्टर ट्रेनर सहित रीवा ब्लॉक के शिक्षकों ने सहभागिता की,जिसका 10 जून को प्रशिक्षण का समापन किया गया। इस दौरान बताया गया कि बच्चों में बौद्धिक क्षमताओं-भावनात्मक विकास और सामाजिक कौशल को विकसित करता स्कूल शिक्षा विभाग स्कूली शिक्षा बच्चे के विकास में एक महत्वपूर्ण चरण है, जो उनके भविष्य को आकार देने वाली आधारभूत ज्ञान और कौशल प्रदान करती है। सिखाने के इस चरण का उद्देश्य बौद्धिक क्षमताओं, भावनात्मक विकास और सामाजिक कौशल को विकसित करना है। प्रदेश में इन्हीं उद्देश्यों को लेकर लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

विवेक को बनाया गया रोजगार सहायक संघ का अध्यक्ष

रीवा संवाददाता। जनपद पंचायत रीवा सभागार में 9 जून को रोजगार सहायक संघ की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से विवेक मिश्रा को रोजगार सहायक संघ, जनपद पंचायत रीवा का निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया। जिसका समर्थन सूरज सिंह जेरूका, श्रीमती अंजू सिंह पड़िया,अमित प्रभाव पाण्डेय-अमवा, विवेक गौतम-बैसा, रोशनलाल साहू-धोबखरी 298, समरजीत सिंह-अजगरहा, उमाशंकर पाण्डेय-कुल्लू, श्रीमती वन्दना शुक्ला-नौबस्ता, श्रीमती वर्षा पाठक-सकरवट द्वारा किया गया। इस अवसर पर सीईओ पूनम दुबे ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई दिया।

सिंधु समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का जत्था आज रवाना होगा लखनऊ

रीवा संवाददाता। पूज्य सिंधी सेन्ट्रल पंचायत रीवा के अध्यक्ष प्रहलाद सिंह के निर्देशन से एसी बस द्वारा 11 जून मंगलवार को सुबह 6 बजे सिंधु भवन रीवा से सिंधु समाज के 21 होनहार प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं का जत्था यूपीएससी परीक्षा मार्गदर्शन वर्कशाप में लखनऊ के लिये रवाना होगा। लखनऊ जाने वाले विद्यार्थियों के बस को संत समाज,प्रहलाद सिंह एंव सिंधु समाज के वरिष्ठ जन लखनऊ के लिये रवाना करेंगे।'रीवा समाज की अनेक समाजसेवी संस्थाओं द्वारा सभी बच्चों को सिंधु भवन सुबह 6 बजे पहुंच कर शुभकामनाएं देकर रवाना किया जायेगा

विवि.पेंशनर्स एसो.महासंघ के पदाधिकारियों का किया गया अभिनन्दन

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्य प्रदेश राजकीय विश्वविद्यालय पेंशनर्स एसोसिएशन्स महासंघ के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. गोपाल कृष्ण शर्मा, उज्जैन उपाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. आद्या प्रसाद मिश्र, रीवा एवं सदस्य कार्यकारिणी संतोष कुमार सिंह सेंगर का अभिनन्दन समारोह अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय पेंशनर्स एसोसिएशन, रीवा के तत्वावधान में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के स्वामी विवेकानन्द सभागार में 9 जून 2025 को आयोजित किया गया। समारोह के प्रारंभ में महासंघ के पदाधिकारियों एवं कुलसचिव प्रोफेसर डॉ. सुरेन्द्र सिंह परिहार विश्वविद्यालय के विभिन्न संघों के द्वारा शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह उपरान्त दल प्रताप सिंह तिवारी अध्यक्ष ने महासंघ के सभी पदाधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों का आत्मीय स्वागत करते हुए पेंशनर्स महासंघ द्वारा विश्वविद्यालयीन पेंशनर्स हित में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए महासंघ के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को बधाई देते हुए शेष मांगों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया जिसमें प्रमुखतः विश्वविद्यालयीन पेंशनर्स को राज्य शासन के पेंशनर्स की भाँति डी.ए. का भुगतान न होना, मंत्रिपरिषद के निर्णय उपरान्त भी शासन के बजट में राज्य शासन के अंशदान की राशि का समावेश न करना तथा विश्वविद्यालयों के क्षेत्राधिकार में हो रही कमी के फलस्वरूप विश्वविद्यालयों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने तथा

आय के अन्य स्रोत न होने व राज्य शासन द्वारा पोषण अनुदान में वृद्धि न करने पर भी एरियर्स राशि के व्यय का वहन संबंधित विश्वविद्यालयों द्वारा ही किये जाने के आदेश से भुगतान में हो रहे विलम्ब की ओर ध्यानाकृष्ट कर इसका समाधान शीघ्र कराये जाने का आह्वान किया। महासंघ के कार्यकारिणी सदस्य सन्तोष सिंह सेंगर ने राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालयीन पेंशनर्स के साथ भेदभाव की नीति अपनाने का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालयीन पेंशनर्स की मांगों की शीघ्र पूर्ति कराने हेतु अध्यक्ष से अनुरोध किया। महासंघ के उपाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. आद्या प्रसाद मिश्र द्वारा मध्य प्रदेश कैबिनेट द्वारा लगभग 1 वर्ष पूर्व सातवें वेतनमान के अनुरूप राज्य सरकार के कर्मचारियों की भाँति पेंशन प्रदाय करने के आदेश के बावजूद अधिकारियों द्वारा भेदभावपूर्ण नीति अपनाते हुए किसी एक विश्वविद्यालय को एरियर की राशि भुगतान कर शेष विश्वविद्यालयों के पेंशनर्स को अभी तक एरियर की राशि का भुगतान न किए जाने पर असंतोष व्यक्त किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुरेन्द्र सिंह परिहार ने विचार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय राज्य शासन के आदेशों का पेंशनर्स हित में यथावत पालन करेगा। संचालन कर रहे पेंशनर्स एसो. के महासचिव रमेश प्रसाद मिश्र ने प्रान्तीय अध्यक्ष द्वारा किए गए सप्रयासों की सराहना की और भविष्य में भी इसी प्रकार पेंशनर्स हित में कार्यवाही कराने का अनुरोध किया। महासंघ के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. गोपाल कृष्ण शर्मा ने अपने उद्बोधन में महासंघ द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं अद्यतन प्रगति की संक्षिप्त जानकारी दी।समारोह के अन्त में पेंशनर्स एसो.के उपाध्यक्ष राम शिरोमणि शुक्ल द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. ददन प्रसाद तिवारी, सहायक कुल सचिव सूर्यबली शर्मा,विश्वबंधु मिश्र, डॉ. ओम प्रकाश ताम्रकार,मोहनलाल शर्मा, नागेश्वर प्रसाद मिश्र, इन्द्रभान गुप्ता, डॉ. राहुल पाण्डेय, अध्यक्ष, न्यू कर्मचारी संगठन, महासचिव अशोक कामत, डॉ. बुद्धसेन पटेल, अध्यक्ष, कर्मचारी संघ, आनन्द बहादुर सिंह, राममिलन विश्वकर्मा, रजनीश शुक्ल, गंगा प्रसाद द्विवेदी तथा कैलाश त्रिपाठी के अतिरिक्त अन्य पेंशनर्स एवं कर्मचारीगणों की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही।

किसान संघर्ष समिति ने विंध्य में शुरू की पांच दिवसीय किसान मजदूर आदिवासी अधिकार यात्रा

■ डालमिया के खिलाफ लड़ाई का ऐलान

रीवा, नगर संवाददाता।

किसान संघर्ष समिति ने विंध्य इलाके के पांच जिलों में किसान मजदूर आदिवासी अधिकार यात्रा का शुभारंभ छिजवार जेपी चौराहा गांधी प्रतिमा स्थल से सुबह 10 बजे किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ सुनीलम ने गांधी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर शुभारंभ किया। उक्त अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता एड शिव सिंह प्रदेश अध्यक्ष एड आराधना भार्गव कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल एवं

शत्रुघन यादव ग्वालियर पूर्व जिला पंचायत सदस्य अशोक सिंह सरपंच ज्ञानेंद्र सिंह गुड्डू मोर्चे के नेता के के शुक्ला शोभनाथ सेन मैहर प्रदीप बंसल मोहम्मद तौहीद इंद्रपाल सिंह मयंक सिंह आदि उपस्थित रहे। इसके बाद यात्रा सतना रामपुर बघेलान के ग्राम जमुना पहुंची जहां डालमिया सीमेंट प्लांट लगाए जाने के विरोध में किसानों ने बड़ी सभा का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी रामकरण सिंह ने किया। यात्रा प्रमुख राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुनीलम ने डालमिया के खिलाफ लड़ाई का ऐलान करते हुए कहा कि एकजुट होकर के हम लड़ाई लड़ेंगे डालमिया को रोकेंगे डॉ सुनीलम ने यह भी कहा कि किसान संघर्ष समिति की यात्रा जल जंगल जमीन की लूट को रोकने किसानों को एम एस पी की कानूनी गारंटी दिलाने कर्जा मुक्ति कराने भूमि अधिग्रहण रोकने के संघर्ष को तेज करने के उद्देश्य से निकाली जा रही है। राष्ट्रीय प्रवक्ता शिव सिंह ने कहा कि यदि आप एकजुट रहे तो किसान बिल वापसी की तरह डालमिया को भी वापस भागकर ही दम लेंगे यात्रा में बड़ी संख्या में किसान एवं गांव के प्रमुख उपस्थित रहे। कार्यक्रम उपरांत यात्रा विश्राम तिलखन में किया गया।

व्यापारियों को बुलाकर दी गयी समझाइस

दुकान के बाहर सामान रखने पर होगी कार्यवाही

रीवा, नगर संवाददाता।

प्रकाश चौराहा स्थित प्रकाश कॉम्प्लेक्स एवं लक्ष्मी मार्केट के व्यापारियों द्वारा दुकानों के सामने सामग्री रखने, वाहन खड़ा करने एवं कॉम्प्लेक्स की गैलरी में अव्यवस्थित ढंग से सामान रखने की शिकायतों को निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने गंभीरता से लिया है। इस संबंध में आज संबंधित व्यापारियों को नगर निगम कार्यालय में बुलाकर चर्चा की गई और स्पष्ट रूप से समझाइश दी गई। निगमायुक्त ने व्यापारियों को निर्देशित किया कि वे अपनी दुकानों के बाहर किसी भी प्रकार का सामान न रखें और कॉम्प्लेक्स की गैलरी को खाली रखें, जिससे आमजन को आवागमन में कोई असुविधा न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो व्यापारी निर्देशों का पालन नहीं करेंगे, उन्हें नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में निगमायुक्त द्वारा शहर के विभिन्न कॉम्प्लेक्सों के व्यापारियों से प्रस्तावित नवीन व्यावसायिक योजनाओं पर भी चर्चा की गई। उन्होंने व्यापारियों से सुझाव देने और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में सहयोग की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर उपायुक्त एम एस सिद्दीकी एवं व्यापारी प्रतिनिधियों में नरेश काली, नारू भाई, बसंत वस्त्रालय, अमीन टेलर्स सहित अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहे।

भारत पेन्शनर्स समाज की बैठक में लिये गये कई निर्णय

रीवा, नगर संवाददाता।

भारत पेन्शनर समाज रीवा की बैठक 9 मई 2025 को शिल्पी प्लाजा-बी ब्लाक रीवा स्थित पेन्शनर समाज के कार्यालय में उपाध्यक्ष प्रो. एमयू खान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया कि संगठन को आर्थिक सम्बल प्रदान करने हेतु संगठन के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य तथा आजीवन संरक्षक सदस्य अपनी-अपनी क्षमतानुसार सहयोग प्रदान कर मजबूती प्रदान करें तथा सदस्यता बढ़ाने हेतु माह जुलाई प्रत्येक सदस्य को एक पेन्शनर सदस्य जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। बैठक में वित्त वर्ष 2024-25 की आडिट रिपोर्ट को अनुमोदन कर स्वीकृत प्रदान की गई तथा महासचिव द्वारा माह अप्रैल एवं मई 2025 के आय-व्यय का मदवार ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। साथ ही बैठक में निर्णय लिया गया कि जुलाई माह के अंत में संगठन की चुनाव प्रक्रिया सम्पादित की जावेगी जिसक लिए संगठन के वरिष्ठ अनुभवी व्यक्ति को चुनाव अधिकारी नियुक्त करने के लिए बैठक में स्वीकृत प्रदान की गई। बैठक के अंत में डॉ. जी.पी. द्विवेदी, एस.एस. सिसोदिया सेवानिवृत्त अधीक्षण यंत्री, विन्ध्येश्वरी श्रीवास्तव सेवा निवृत्त कृषि विभाग, एवं चन्दूलाल कुशवाहा सेवा निवृत्त पुलिस विभाग के असमायिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दिवगत आत्माओं की शाति हेतु भगवान से प्रार्थना की गई।

पर्यावरण रक्षा को लेकर संकल्प व हस्ताक्षर अभियान प्रारंभ

रीवा, नगर संवाददाता।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत रीवा द्वारा अटल पार्क में पर्यावरण रक्षा के लिए संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें हस्ताक्षर अभियान, व्यवहार परिवर्तन हेतु 20 बिंदुओ का संकल्प के साथ जनजागरूकता के लिए औषधीय पौधों की प्रदर्शनी प्रमुख रही। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से सिन्दूर, अश्वगंधा, कालमेघ, सुदर्शन, बच, एलोवेरा जामुन, बेल आदि पौधों के औषधीय गुणों की जानकारी डॉ मुनीन्द्र द्विवेदी द्वारा दी गई और औषधीय पौधे वितरित भी किये गए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गौरव सिंह भदौरिया प्रांत सह संगठन मंत्री ग्राहक पंचायत द्वारा पर्यावरण सुरक्षा की आवश्यकता, ग्लोबल वार्मिंग के खतरे और प्लास्टिक कचरे एवं पैकेट युक्त भोजन से हो रही कैंसर जैसी बीमारियों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष भाजपा वीरेन्द्र गुप्ता ने उपस्थित समूह से वर्ष में एक पेड़ लगाने और उसे पाल पोस के बड़ा करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में संभागीय आयुष अधिकारी ने योग संगम और हरित योग की जानकारी दी एवं नगर निगम उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि हमने पृथ्वी को अपने पूर्वजों से विरासत में नहीं अपनी आने वाली पीढ़ियों से उधार लिया है इसे सही सलामत अपने बच्चों को सौंपना हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम को भाजपा उपाध्यक्ष उमाशंकर पटेल, हिन्दू क्षत्रीय वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तरूणेंद्र सिंह गहरवार ने भी संबोधित किया। आभार गंगा प्रसाद द्विवेदी एवं संचालन डॉ व्योमकेश शुक्ल ने किया। कार्यक्रम को आयोजित करने में डिब्रायू फार्मास्युटिकल एवं महर्षि बाल्मीकि स्कूल व आयुष विभाग का विशेष योगदान रहा।

दीक्षित के जेडी बनने से शिक्षकों ने व्यक्त किया हर्ष

रीवा, संवाददाता। लोक शिक्षण संचालनालय संभाग रीवा में संयुक्त संचालक जे डी के रूप में नीरव दीक्षित के पदांकन से शिक्षकों में हर्ष व्याप्त है तथा शिक्षकों के काफी समय से लंबित मामलों में त्वरित निराकरण की आश जगी है। जैसा उन्होंने 5 जून 2025 आदेश जारी कर स्पष्ट भी कर दिया है कि शिक्षकों के समस्त स्वत्वों का भुगतान समय सीमा में करें और अब तक भुगतान न करने वाले कर्मचारी का कार्यवाही हेतु नाम प्रस्तुत करें। श्री दीक्षित द्वारा किये गये स्वत्वों के भुगतान के आदेश तथा परिवीक्षा समाप्ति के आदेश के आश्वासन पर संगठन के जिलाध्यक्ष चन्द्रोदय मिश्रा प्रान्तीय संगठन मंत्री यशपाल शर्मा, देवेन्द्र चतुर्वेदी, संतोष मिश्रा, दिलीप तिवारी, सुरेन्द्र मोहन त्रिपाठी, मनोज दत मिश्रा, अरविंद सिंह, मृगेंद्र सिंह, रामदास यादव, चंद्रमौली सिंह, दीनदयाल तिवारी, कमलाकांत उपाध्याय, गुरू कृष्ण मणि अग्निहोत्री, कृष्ण लाल गौतम, संजय शुक्ला आदि शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया है।

कार्यक्रम — श्रमदान, पौधरोपण, रैली और संगोष्ठी का हुआ आयोजन

नदियों की शुद्धि , पालीथिन से मुक्ति का लिया संकल्प

रीवा, नगर संवाददाता।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन भागीदारी से जल संचयन एवं प्लास्टिक मुक्त समाज का संकल्प लेकर पर्यावरणीय जागरूकता सप्ताह का समापन, रीवा के लक्ष्मण बाग परिसर में एक भव्य समारोह के साथ किया गया ।

आयोजित समारोह में लक्ष्मण बाग परिसर में पौधारोपण, पर्यावरण जागरूकता रैली, संगोष्ठी, बिछिया नदी के रिवर फ्रंट पर भ्रमण, अवलोकन और नुक्कड़ नाटक के साथ ही नदी तट एवं लक्ष्मण बाग की ऐतिहासिक बावली में सफाई हेतु सांकेतिक श्रमदान किया गया। आयोजित सभा को राज्य आनंद संस्थान के डॉ मुकेश येंगल, प्रदूषण नियंत्रण

बोर्ड की डॉ शुभी माथुर एवं विवेक परमार ने संबोधित किया। इसमें विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं व संगठनों के सैकड़ो लोग शामिल रहे। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ,क्षेत्रीय इकाई रीवा के तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व से अनवरत आयोजित किया जा रहे पर्यावरण जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत समापन समारोह में पर्यावरण एवं पुरातत्व विशेषज्ञ डॉ मुकेश येंगल, शिक्षाविद डॉ कल्पना सिंह, डॉ अलका सिंह बघेल, डॉ ज्योति सिंह,एथलीट उमा सोंधियाँ,नगर पालिक निगम रीवा के स्वच्छता अभियान में आईईसी टीम लीडर विवेक सिंह परमार, अवनीश शुक्ला, प्राची खान ,अनीश सिंह बघेल,आयुष उपाध्याय, गौरव विश्वकर्मा, निशा पाण्डेय, श्वेता वर्मा, गीता गुप्ता, स्वाति सिंह, गुड़िया यादव, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय इकाई रीवा के वैज्ञानिक डॉ शुभी माथुर मिश्रा, वैज्ञानिक डॉ संजय मिश्रा, राजनारायण चतुर्वेदी, महिमा पाण्डेय, आरबी यादव, आरपी पटेल, नवीन दुबे, अनिल चतुर्वेदी, वीरेंद्र सेन, शशांक सिंह रमेश तिवारी, रिएक्ट संस्था रीवा से रुचि द्विवेदी, अंतिमा सिंह सेंगर, रूबी द्विवेदी, सीमा कुशवाहा , विजय सिंह गंगेव, रंगकर्मी समूह से राजेश शुक्ला, रमजान खान, सहित बड़ी संख्या में प्रकृति प्रेमी उपस्थित रहे।

चिन्हांकित स्थल का निगमायुक्त ने निरीक्षण कर

अतिक्रमणकारियों को हटाने के दिये निर्देश

रीवा, नगर संवाददाता।

नगर निगम एवं राजस्व दल द्वारा अमहिया रोड पर किये गये अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण का पूर्व में चिन्हांकन किया गया था जिसको निगमायुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे द्वारा 10 जून 2025 को भ्रमण करते हुये स्थलीय निरीक्षण कर अवलोकन किया गया। उन्होंने अधीनस्थों को उन स्थानों पर जहाँ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण है उन्हें शीघ्र हटाने की कार्यवाही के निर्देश दिए एवं शेष भूमि के अभिलेख मगायें जाने के उपरांत जॉच कर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कोठी कम्पाउण्ड की ओर से अमहिया जाने वाले मार्ग में अतिक्रमण चिन्हित कर हटाये जाने के निर्देश दिए। साथ ही गॉधी काम्प्लेक्स प्रकाश चौराहा के पास

जो दुकानदार है उनको अभिलेख के साथ चर्चा कराये जाने हेतु निर्देश दिए। साथ ही गॉधी काम्प्लेक्स में चल रहे निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सहायक यंत्री एसके गर्ग,अम्बरीश सिंह, अतिक्रमण प्रभारी सुखेन्द्र चतुर्वेदी मौजूद रहे।

संपादकीय

खेत से रूठा पर्यावरण

खेत में उजड़े पौधों पर बर्बरता के निशान उस बागबान से पूछें जिसकी फसल को जंगली जानवर तबाह कर देते हैं। हालात यह हैं कि मजबूर किसान या बागबान आवारा पशुओं, वन्य प्राणियों या बंदरों से तंग आकर अंतत: अपने इर्द-गिर्द की हरियाली को खुद ही रुखसत करता है। पर्यावरणीय चेतना खेत के बजाय जंगल में योद्धा है, जहां से निकल वन्य प्राणी या तो खेत खोद रहे हैं या फलोत्पादन की वजह रोक रहे हैं। हर फसल से मिट्टी का स्वास्थ्य पूछा जाता है, तो खेत से बहती हवा का रास्ता घर तक पूछा जाता है।

जो सूबे कभी खेती के गीत गाते थे, आज मानवीय प्रगति के नश्तर लिए कंक्रीट के जंगल उगा रहे हैं। आश्चर्य है, खेत को बंजर बनाने की प्रक्रिया को पर्यावरण संरक्षण क्यों नहीं समझा जाता। पर्यावरण अनुकूल खेती तब होगी, जब खेत आवारा पशुओं या बंदरों से बच जाएंगे। खाद में रसायन और झाड़ में कीटनाशक कम होंगे। पर्यावरण के प्रति जागरूकता का अर्थ धरती-परिवेश से जुड़ाव है, लेकिन मानव जीवन से सामुदायिक भावना ही विलुप्त होने लगी है। जीवन के प्रति संवेदना, घर के व्यक्तित्व में रिसाव और जीवनशैली में शहरीकरण की घुसपैठ से सब कुछ बदल गया है। कभी पर्यावरण को दिनचर्या और परिवेश के रिश्ते में महसूस किया जाता था, लेकिन अब न तो खेत करीब रहे और न ही खेत हरियाली के लायक रहे।

भूमि सुधार कानून में सामाजिक उत्थान की परिकल्पना तो की गई, लेकिन अधिकारों की नई जंग में खेत का चरित्र बदल गया। मुजारों को मिली जमीन अब खेती की तपस्या के बजाय बिक्री का सामान हो गई। लैंड सीलिंग एक्ट ने वास्तव में खेत के आचरण की ही सीलिंग कर दी। राजनीति जो सोचती है, उसके विपरीत यथार्थ के प्रश्न संबोधित होते हैं। जहां से चारा मिलता था या जिस चरागाह में पशुधन को जीने का गुजारा मिलता था, वहां वनीकरण की कोंपलों में सख्त दरख्तों ने किसान के पशुओं से रिश्ते भी सख्त कर दिए। आधुनिकता और आधुनिक उपकरणों की सुविधा ने मिट्टी से हल छीन लिया, तो सारा पशुधन आवारा बन कर खेत को चरागाह मानने लगा।

खेत कहीं भी हो, कैसा भी हो, वहां खेती से जुड़ा पर्यावरण मानवीय जीवन के वास्तविक आधार को पुष्ट करता है। हाइड्रोपोनिक्स व पारंपरिक मिट्टी आधारित खेती की तरफ मुड़ेंगे, तो घर आंगन तक पर्यावरण का सौहार्द आएगा। कृषि तथा बागबानी विश्वविद्यालयों के अलावा विभागीय कसौटियों में हर खेत में पर्यावरण सुरक्षा के इंतजाम करने होंगे। वन नीति के साथ किसान और बागबान के खेत को जोड़ना होगा ताकि जंगल किसी भी तरह खेत और बागीचों को न डराए। सरकार ने भूमिहीन किसानों को जमीनों का आबंटन इस शर्त पर किया कि लैंडलेस किसान फसल उगाएंगे, लेकिन ये जमीनें भी बिक कर पर्यावरण विरोधी हो गईं। पर्यावरण विरोधी हो गया गांव का घराट, क्योंकि इसके पत्थर नवनिर्माण में लग गए। लोग खेतों को खेती से दूर रखकर पालतू पशुओं को भी डिपो का सस्ता राशन खिला रहे हैं। आश्चर्य यह कि पर्यावरण के नाम पर जंगल की वकालत में हमारी योग्यता की जमीन पर भी कोई मंजर न रहा। अब पुन: कोशिश है कि जैविक या प्राकृतिक खेती की सुगंध पर्यावरण में फैले।

'बच्चों के लिए मां के दूध के समान है मातृभाषा'

प्रो. सुरेंद्र दुबे

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से पूर्व प्राथमिक से पांचवीं कक्षा तक मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने की पहल कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। मातृभाषा में शिक्षा मिलने से बच्चा आसानी से विषय को समझ पाता है। उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। इस तरह मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा बच्चे के बौद्धिक विकास में सहायक होती है। मातृभाषा प्राथमिक शिक्षा का स्वाभाविक और सर्वाधिक समर्थ माध्यम है। बच्चे चूंकि मातृभाषा अथवा घर में बोली जाने वाली भाषा जल्द से जल्द सीख लेते हैं इसलिए शिक्षा के माध्यम को परिचित भाषा में ढालने में सहायता मिलती है और भाषा शिक्षण की पद्धति को वैज्ञानिक ढंग से लागू करने की राह सुगम होती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा की सिफारिश के अनुसार कक्षा एक से पांच तक बच्चा अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करेगा। इस दौरान वह अपनी पसंद के मुताबिक एक दूसरी भाषा भी पढ़ेगा। जब वह छठी कक्षा में जाएगा तो वह तीसरी भाषा पढ़ेगा। बुनियादी चरण में यानी पूर्व प्राथमिक से दूसरी कक्षा और आयु की दृष्टि से तीन से आठ वर्ष में पढ़ाई मातृभाषा में होनी है। इस चरण में बच्चे पहली भाषा यानी मातृभाषा में पढ़ना लिखना समझना सीखेंगे। दूसरी भाषा को महज मौखिक रूप से बच्चों से परिचित कराया जाना है। तीसरी से पांचवीं कक्षा की आयु यानी करीब 11 वर्ष तक के बच्चे दूसरे विषयों की पढ़ाई भी मातृभाषा में करेंगे। यदि छात्र मौखिक भाषा (दूसरी भाषा) में पर्याप्त दक्षता प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें परिवर्तन की अनुमति दी जा सकती है।

एक बहुभाषिक देश होने के कारण भारत में भाषा-प्रयोग की दृष्टि से एक बड़ी चुनौती यह है कि ऐसी कई भाषाएं हैं जिनकी कोई अपनी लिपि नहीं है और वे अभी भी मौखिक रूप में ही प्रचलित हैं। इसीलिए जहां मातृभाषा में लेखन की परंपरा न हो, जहां कक्षा में भाषाई विविधता हो, वहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिवर्तन की छूट दी गई है। इससे मातृभाषा और बहुभाषावाद दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इसे ध्यान में रखने की जरूरत है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषाओं को एक-दूसरे की

किसी प्रतिद्वंद्विता में नहीं रखती, न वह उन्हें बांधती या रोकती ही है। वह उन्हें अपने विकास के लिए मुक्त करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की गई है, जहां बहुभाषावाद का न केवल स्वागत किया जाएगा, बल्कि सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए इसका लाभ उठाया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सहज, स्वाभाविक और नैसर्गिक प्रक्रिया के तहत दूसरी भाषाएं भी सीखने-सिखाने की सुविधा देती है।

भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। संविधान की आठवीं अनुसूची में अभिलिखित 22 भाषाओं के अतिरिक्त कई अन्य भाषाएं भी हैं। भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत की अनेकानेक मातृभाषाओं में स्कूली शिक्षा का जो विकल्प दिया है, उसे पूरा करने की दृष्टि से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा हाल में जारी किए गए भारतीय भाषाओं में प्राइमर और तेरह भाषाओं में विशेष मॉड्यूल बेहद उपयोगी होंगे। अब तक 13 भाषाओं में प्राइमर तैयार किए जा चुके हैं, जिनमें कश्मीरी (फारसी-अरबी), सिंधी (देवनागरी), सिंधी (फारसी-अरबी), कश्मीरी (देवनागरी), बाल्टी, संताली, ज़ेमी, उर्दू, संगतम, लाई (पावी), गोंडी-तेलुगू, भीली (वागड़ी) और चोकरी शामिल हैं। कुल प्राइमर की संख्या 117 हो गई है। भारतीय भाषाओं में ये प्राइमर केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा विकसित किए गए हैं।

117 भारतीय भाषाओं में विकसित प्राइमर का उद्देश्य शिक्षार्थी की मूल भाषा में संदर्भ-समृद्ध सामग्रियों के माध्यम से प्रारंभिक स्तर पर पढ़ने और लिखने की सुविधा प्रदान करना, कम उम्र से भाषा के साथ भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंध को बढ़ावा देना और संज्ञानात्मक विकास और सामाजिक एकीकरण के आधार के रूप में बहुभाषा सीखने की सुविधा देना है। छोटे बच्चों के लिए, ये प्राइमर भविष्य की शिक्षा और संज्ञानात्मक विकास के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने मातृभाषा में शिक्षा का अवसर देकर महात्मा गांधी के सपने को भी पूरा किया है। गांधी जी ने 'हरिजन' के 09-07-1938 के अंक में मातृभाषा में स्कूली जीवन में शिक्षा नहीं दिए जाने के नुकसान का विवरण दिया है और लिखा है कि गणित, रसायनशास्त्र और ज्योतिष सीखने में उन्हें चार साल लगे, उतना उन्होंने एक ही साल में आसानी से सीख लिया होता, अगर अंग्रेजी के बजाय उन्हें गुजराती में पढ़ा होता। उस हालत में आसानी और स्पष्टता के साथ इन विषयों को वे समझ लेते। गुजराती का उनका शब्द ज्ञान कहीं ज्यादा समृद्ध हो गया होता और उस ज्ञान का उन्होंने अपने घर में उपयोग किया हाता। स्कूली जीवन के स्वयं के अनुभव से गांधीजी इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि हर तरह की शिक्षा मातृभाषा में ही उत्तम ढंग से दी जा सकती है। गांधी जी मातृभाषा को मां के दूध के बराबर मानते थे। उन्होंने कहा था, 'मातृभाषा मनुष्य के मानसिक विकास के लिए उसी प्रकार स्वाभाविक है, जिस प्रकार मां का दूध शिशु के शरीर के विकास के लिए। शिशु अपना पहला पाठ मां से सीखता है। इसलिए बच्चों के मानसिक विकास के लिए उनके ऊपर मातृभाषा के अलावा कोई और भाषा थोपना मैं मातृभूमि के लिए पापाचार समझता हूं।'

गांधी जी के विचारों के आईने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति मातृभाषा में पर्यावरण, जीवन कौशल, मानव अधिकार की शिक्षा देने पर भी बल देती है, वहीं प्रौद्योगिकी के कारण ज्ञानार्जन के तौर तरीक़ों में आ रहे परिवर्तनों पर भी उसका ध्यान है। वाचिक से लिखित होते हुए डिजिटल संसार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का कैसे उपयोग हो, इसका भी उसमें प्रावधान है।

हम उम्मीद कर सकते हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से बच्चे खेल-खेल में कविताएं कंठस्थ करेंगे। गिनती और पहाड़ा सीखेंगे। बुनियादी अभिवादन, भाव, अक्षर, संख्याएं सीखेंगे। वे विभिन्न वाद्ययंत्रों की पहचान करना सीखेंगे। मसालों, सब्जियों और फलों के नाम भी सीखेंगे। श्रवण कौशल को बढ़ाएंगे। विभिन्न क्षेत्रों के राष्ट्रीय नायकों के बारे में जानेंगे। भौतिक मानचित्रों के माध्यम से नदियों, पहाड़ों और ऐतिहासिक स्मारकों के बारे में जानेंगे और और अपने परिवेश, समुदाय तथा देश के साथ रागात्मक संबंध महसूस करेंगे।

(लेखक साहित्यकार एवं केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष हैं)

अंकों की होड़ से कुंठित होती प्रतिभाएं

डॉ. जगदीप सिंह

भारत में बोर्ड परीक्षाएं, विशेष रूप से कक्षा 10 और 12 की, न केवल शैक्षिक उपलब्धियों का मापदंड मानी जाती हैं, बल्कि ये बच्चों, उनके परिवारों और समाज के लिए एक भावनात्मक और सामाजिक घटना भी हैं। इन परिणामों का प्रभाव बच्चों की मानसिक स्थिति, उनके आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा पर गहरा असर डालता है। मई-जून के महीने में हिंदुस्तान के हर घर में दस्तक देती है एक जिज्ञासा एक उत्सुकता, एक भय। हर माता-पिता, हर बोर्ड के एग्जाम में बैठा बच्चा हर बीतते हुए दिन को एक ओबसेसन, एक डिप्रेशन एक इनसिक्योरिटी में काट रहा होता है जकि क्या होगा? साथ ही, समाज में इन परिणामों को लेकर बनने वाली धारणाएं और अपेक्षाएं सामाजिक संरचना को भी प्रभावित करती हैं।

भारत में बोर्ड परीक्षा के परिणामों को अक्सर बच्चे की बुद्धिमत्ता और भविष्य की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। माता-पिता, शिक्षक और समाज की ओर से उच्च अंक प्राप्त करने का दबाव बच्चों में तनाव, चिंता और अवसाद को बढ़ा सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, भारत में 60 प्रतिशत से अधिक किशोर परीक्षा परिणामों से पहले और बाद में मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं।

अच्छे परिणाम बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, लेकिन कम अंक या असफलता आत्मसम्मान को ठेस पहुंचा सकती है। कई बच्चे समाज और परिवार की तुलनात्मक मानसिकता के कारण खुद को कमतर महसूस करते हैं, जिससे दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ सकते हैं। कक्षा 12 के परिणाम मनचाहे कॉलेज प्रवेश और करिअर विकल्पों को निर्धारित करते हैं। खराब परिणामों के कारण बच्चे भविष्य को लेकर अनिश्चितता और असुरक्षा का अनुभव करते हैं, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य को और प्रभावित करता है।

कभी नहीं सुना गया कि अमेरिका में बोर्ड एग्जाम के रिजल्ट आ रहे हैं या यूके में लड़कियों ने बाजी मार ली है या आस्ट्रेलिया में किसी छात्र के 99.5 प्रतिशत अंक आए हैं। माता-पिता इस तरह बच्चों को पाल रहे हैं कि कब उनकी अधूरी आकांक्षाएं पूरी होंगी। हमारे पूंजीवादी इनवेस्टर्स को कैसा कामगार चाहिए, इस हिसाब से शिक्षा और उसके उद्देश्य तय हो रहे हैं। एक परिवार सुख-चैन त्याग, दिन-रात खट के, संघर्षों, घोर परिश्रम में गुज़र

जाता है। उस परिवार का पैसा और सहज जीवन इसलिये भेंट चढ़ जाता है क्योंकि आईटी को एक बेहतरीन सॉफ्टवेयर डेवेलपर चाहिए या किसी को बेस्ट ब्रेन चाहिए या कंपनी को बेहतरीन गेम डिजाइनर चाहिए।

हमारी शिक्षा व्यवस्था व उसके आदर्श कहां खड़े हैं? हमारे स्कूल देश के आदर्श नागरिक नहीं, देश के बेहतर कामगार बनाने में दिन-रात एक करके जुटे हुए हैं और माता-पिता बच्चों को इंसान नहीं, एक मेकैनिकल डिवाइस बनाने को प्रतिज्ञाबद्ध हैं। बच्चों को सहजता से जीने दो, दुनिया भागी नहीं जा रही। उन्हें बेस्ट एम्प्लॉय नहीं, बेस्ट सिटीजन बनाने की कोशिश कीजिए।

बच्चों की भी खुद से कुछ आकांक्षाएं होती हैं, अपने सपने होते हैं। उनका हमारे लिये कोई अर्थ नहीं, लेकिन बच्चों के लिये वे जन्नत से कम नहीं। हम उन्हें मनोरोगी न बनाएं। ये एक हताशा बढ़ाने वाला ही तो है-टॉपर्स की खबरें, उन्हें मिठाई खिलाते माता-पिता की फोटो। क्या ये एक सामान्य स्तर के छात्रों को मानसिक हीनता की अनुभूति नहीं देंगे? टॉपर तो सिर्फ दो-चार होंगे बाकी देश का बोझ तो 99 प्रतिशत इन्हीं फूल से कोमल सामान्य बच्चों ने ही उठाना है। उनकी मुस्कान बनी रहे। देश से उसकी सृजनात्मक शक्ति को विस्तार दें।भविष्य में वे कुछ भी बन जाएं, एमएनसी में सीईओ हो जाएं पर जो बचपन की रिक्तता हमने उन्हें दे दी है, वह उन्हें जीवनभर खलेगी और कुंठाओं के रूप में फलेगी। हम जो बेस्ट सीईओ मिलेंगे, जिनकी प्राथमिकता उनकी कंपनी होगी, देश नहीं।

माता-पिता और शिक्षकों को बच्चों पर अनुचित दबाव डालने के बजाय उनकी रुचियों और क्षमताओं को समझने की कोशिश करनी चाहिए। परिणामों को केवल एक मानक नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानना चाहिए। बोर्ड परीक्षाओं को केवल अंकों पर केंद्रित करने के बजाय, समग्र विकास पर ध्यान देना चाहिए। करिअर के विकल्पों को बढ़ावा देना और कौशल-आधारित शिक्षा को प्राथमिकता देना समाज और बच्चों के लिए लाभकारी होगा।

समाज को यह समझने की जरूरत है कि हर बच्चा अलग है और उसकी सफलता केवल अंकों से नहीं मापी जा सकती। मीडिया और सोशल मीडिया पर सकारात्मक कहानियों को प्रचारित करना चाहिए, जो असफलता से उबरने और वैकल्पिक रास्तों को अपनाने की प्रेरणा दें।

भारत में बोर्ड परीक्षा परिणाम न केवल एक शैक्षिक घटना है, बल्कि इनका बच्चों की मानसिक स्थिति और समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह जरूरी है कि हम परिणामों को एक अंत के रूप में देखने के बजाय, उन्हें एक शुरुआत के रूप में लें। बच्चों को यह विश्वास दिलाना होगा कि उनकी कीमत केवल अंकों से नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, रचनात्मकता और दृढ़ता से तय होती है। समाज, परिवार और शिक्षा प्रणाली को मिलकर एक ऐसी संस्कृति बनानी होगी, जो बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत और आत्मविश्वास से भरा बनाए।

(लेखक असिस्टेंट प्रोफेसर हैं)

कुछ भी हो तुम व्हाइट हाउस मत जाइयो

व्यंग्य/सहीराम

भाइयो कहीं भी जाइयो, पर व्हाइट हाउस मत जाइयो, क्योंकि व्हाइट हाउस गब्बरसिंह का डेन और खुद ट्रंप कक्का गब्बर हो लिए लगते हैं। गब्बर का खौफ तो जैसा उसने खुद ही बताया था कि पचास-पचास कोस दूर तक ही था। लेकिन ट्रंप कक्का का खौफ तो दुनिया पार कर गया है कि ज्यादा मत बोलो, नहीं तो ट्रंप अंकल टैरिफ लगा देंगे। बल्कि अब तो टैरिफ की बात भी पुरानी हो गयी लगती है। अब तो गब्बर की तरह ही वो अपने करीबियों को भी नहीं बख्श रहे। जैसे गब्बर ने अपने पठ्ठे कालिया से कहा था-अब गोली खा। वैसे ही ट्रंप अंकल ने एलन मस्क को ताड़ दिया है-फूट यहां से।

कालिया ने तो नमक का वास्ता देकर जान बचाने की कोशिश भी की थी, लेकिन एलन मस्क तो अपनी मदद का वास्ता भी नहीं दे पाया कि अंकल जी, मैंने आपको चुनाव जिताया है। ऐसे में बेचारे एपल वाले कुक डरे हुए हैं कि कहीं ट्रंप अंकल यही न कह दें कि अब तू चीन में जाकर ही अपनी कुकिंग मतलब मैन्यूफैक्चरिंग कर। अगला नंबर किसका हो, कौन जाने। राष्ट्राध्यक्ष तक डरे हुए हैं जी।

यह खौफ तो खैर तभी से था जब उन्होंने यूक्रेन वाले जेलेंस्की को व्हाइट हाउस में बुलाकर धमकाया था। अब वो हिंदुस्तानी तो हैं नहीं कि अतिथि देवो भव का पालन करते। वो तो हिंदी फिल्मों के वह जमींदार-कम-विलेन टाइप हैं, जो अपनी हवेली में बुलाकर किसानों से जमीन के कागजों पर अंगूठा लगवाते हैं। हालांकि दुनिया वाले अमेरिका को विश्व दरोगा का खिताब बहुत पहले दे चुके हैं। इससे उनके चरित्र में एक अजीब तरह का घालमेल हो गया है-जमींदार से लेकर दरोगा और सूदखोर तक का। जेलेंस्की के साथ तो उनका व्यवहार सचमुच ही उस सूदखोर पठान टाइप का था, जो कर्जवान की सीधे गर्दन पकड़ा करते थे। लेकिन अब सूदखोर पठान तो रहे हैं। कर्जवान भी अब माल्या और नीरव मोदी टाइप हो लिए हैं, जिनके सामने खुद कर्जदाता ही नतमस्तक रहते हैं। फिर भी जेलेंस्की को ट्रंप अंकल ने धमकाया- तुम हमारे तीन अरब डॉलर खा गए। तुम हमें बेवकूफ बना रहे हो और कि तुम्हारे पास अब कोई कार्ड नहीं बचा है वगैरह-वगैरह। दुनिया जेलेंस्की वाले इस प्रकरण को अभी भूली भी नहीं थी कि अब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा को व्हाइट हाउस बुलाकर धमका दिया- तुम्हारे यहां श्वेतों का उत्पीड़न हो रहा है। वे अश्वेतों का उत्पीड़न भूल गए, जो सदियों से हो रहा था। सुना है उन्होंने एलन मस्क की शिकायत पर उन्हें धमकाया। लेकिन अब तो उन्होंने एलन मस्क को भी ताड़ दिया। तो भैया सबक यही है कि व्हाइट हाउस मत जाना और जाना तो अपने रिस्क पर-अपनी इज्जत दांव पर लगाकर।

लोलेगांव : प्रकृति की गोद में बसा एक रहस्यमयी गांव

अलका 'सोनी'

अभी का मौसम कुछ अलग चल रहा है। कहने को तो गर्मियां हैं लेकिन बीच-बीच में हो रही बारिश गर्मी को अपने तेवर दिखाने का मौका नहीं दे रही। इस गर्म-ठंडे मौसम में घूमने का आनंद ही कुछ और होता है। ऐसे में खासकर जंगलों की खूबसूरती और निखर जाती है। जब बाहर बादल छाए रहते हैं और हल्की बारिश होती है तो जंगल के नजारे रहस्यमयी लगने लगते हैं। घूमने के लिए ये जरूरी नहीं कि आप किसी फॉरेन टूर पर ही जाएं। अपने देश में घूमने की एक से बढ़कर एक जगहें हैं। वहां पर जाएं। उन्हें एक्सप्लोर करें।

सिलीगुड़ी से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित लावा गांव से लोलेगांव मात्र 25 किलोमीटर की दूरी पर है। ये दो प्राचीन गांव खूबसूरत बर्फ से ढके पहाड़ और प्राचीन बौद्ध मठों के साथ प्राकृतिक नज़ारों के लिए प्रसिद्ध हैं। अगर आप प्रकृति का अनुभव प्रकृति के बीच रहकर करना चाहते हैं, तो यह आपके लिए एकदम सही जगह है।

पश्चिम बंगाल के विविधतापूर्ण क्षेत्र में अनगिनत जगहें हैं, महानगरों की हलचल से लेकर गांवों की शांति तक। ऐसा ही एक सुंदर-शांत गांव है लोलेगांव। हालांकि बहुत सारे हिल स्टेशन समान रूप से सुंदर और शांत हैं, फिर भी लोलेगांव आपको अपनी गैर-व्यावसायिक, जंगली और प्राकृतिक सुंदरता से आश्चर्यचकित कर देता है।

हिमालय पर्वतमाला के सुदूर छोर पर बसा यह छोटा-सा, शांत गांव अपने खूबसूरत दृश्यों, समृद्ध जंगलों और कंचनजंगा के दृश्यों के लिए लोकप्रिय है। घने जंगल के बीच सैर से लेकर ओक, देवदार, सन्टी और सरू के पेड़ों के बीच लटकते पुल (जिसे कैनोपी वॉक के नाम से भी जाना जाता है) पर सैर तक, यह जगह निश्चित रूप से आपके अंदर के रोमांच को जगा देगी। इस पुल की ऊंचाई से जंगल का नजारा देखते बनता है।

लोलेगांव में कई छोटे-छोटे ट्रेक और ट्रेल्स हैं। यह शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर आराम करने और सुकून पाने के लिए बेहद आदर्श जगह है। यहां आप जंगली इलाके को और भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। लोलेगांव जंगल के प्रेमियों के लिए एक शानदार जगह है। यहां का 'कैनोपी वॉक' जंगल को महसूस करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।

नेओरा वैली नेशनल पार्क

बंगाल के कलिम्पोंग जिले में स्थित नेओरा वैली नेशनल पार्क की स्थापना सन 1986 में हुई थी। यह प्राकृतिक रूप से समृद्ध है और 88 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसका नाम नेओरा नदी से आया है जो इसके बीच से

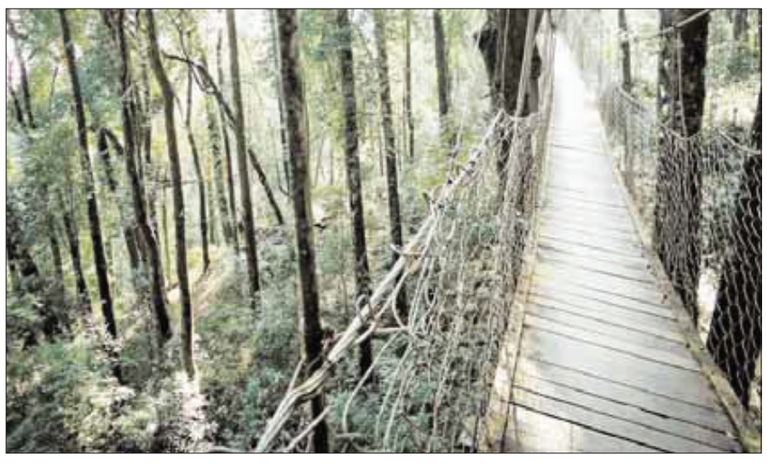

होकर बहती है। इसी नदी के नाम पर पार्क का नाम पड़ा है। फिर भी, वनों से ढके होने के कारण पार्क के कई क्षेत्र अभी भी दुर्गम बने हुए हैं। जो कि उत्साही और पैदल यात्रियों के लिए एक दिलचस्प जगह बन जाता है ।

कैनोपी वॉक का सम्मोहन

लोलेगांव में सबसे खूबसूरत कैनोपी वॉक के लटकते हुए पुल हैं, जो एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर लटके हुए हैं। लकड़ी के तख्तों से बने ये लटकते पुल इतने ऊंचे हैं कि आप पेड़ों को उनकी पूरी भव्यता के साथ निहारने का आनंद ले सकते हैं। इनकी लंबाई 180 मीटर है। जिसे पार करने में एक से दो घंटे लगते हैं। कैनोपी पुल को देखने के लिए दिन का समय सबसे अच्छा माना जाता है। यह आपके जंगल भ्रमण की शुरुआत करने के लिए एक बेहतरीन जगह है। यह पुल लगातार झूलता रहता है और अपनी सर्वोच्च ऊंचाई पर बेहतरीन लगता है।

हाइलैंड स्टेशन रिश्यप

उत्तरी पश्चिम बंगाल के खूबसूरत गांव लोलेगांव के पास नेओरा घाटी में एक छोटा-सा शहर है, जिसे रिश्यप के नाम से जाना जाता है। मुख्य रूप से, यह लावा से लगभग 4 किमी ऊपर स्थित एक हाइलैंड स्टेशन है। इसका दूसरा नाम रिशॉप भी है। यहां के बारे में कहा जाता है कि आप पक्की सड़कों के बावजूद ऊंची चढ़ाई करें, क्योंकि वे ऑटोमोबाइल के लिए उतनी सुरक्षित नहीं मानी जाती हैं। आप इस क्षेत्र के आकर्षक बाजार में घूमते हुए प्रसिद्ध नाथू ला दर्रे और पूर्वी हिमालय की पहाड़ियों के लुभावने दृश्यों का आनंद ले सकते हैं।

लोलेगांव व्यू प्वाइंट

यह व्यू प्वाइंट शहर के बहुत ऊपर स्थित है। इस क्षेत्र से सामने की ओर नेओरा वैली नेशनल पार्क और पीछे की ओर बर्फ से ढके हिमालय का विस्तृत दृश्य दिखाई देता है। पिकनिक मनाने और फोटोग्राफ़ी करने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है। नतीजतन, यह स्थान राष्ट्रीय उद्यान का एक शानदार दृश्य प्रस्तुत करता है और सुंदर पिकनिक क्षेत्र है, जो इसे तस्वीरें लेने और यादें संगृहीत करने के लिए आदर्श बनाता है।

लावा मठ

यह बौद्ध मठ 4 एकड़ भूमि पर बना है, जहां सैकड़ों बौद्ध अनुयायी रहते हैं और अपने धार्मिक मत का प्रसार करते हैं। मठ तिब्बती शैली में बनाया गया है। मठ के मैदान में, कई प्रार्थना कक्ष, लॉन, बैठने की जगह और एक बड़ी बुद्ध प्रतिमा है। इस मठ का निर्माण 1980 के दशक में किया गया था। फोटोग्राफी के शौकीन लोगों को यहां जरूर आना चाहिए। पहाड़ों की ऊंचाई से पूरे गांव के शानदार दृश्य को देखा जा सकता है। यहां मठ की शांति को आंतरिक रूप से महसूस किया जा सकता है।

लोलेगांव इको-पार्क

इको-पार्क, मुख्य शहर के केंद्र में समतल भूमि पर, बस स्टैंड के पास स्थित है। यहां का मौसम हर समय सुहावना होता है। आस-पास खाने-पीने के स्टॉल हैं। जहां से पर्यटक स्मृति चिन्ह खरीद सकते हैं या गांव के व्यंजनों का स्वाद चख सकते हैं। प्रकृति के सभी प्रेमियों को इस स्थान पर जाना चाहिए। पार्क में बैठने की जगह, बेंच और रास्ते के साथ बिल्कुल शांतिपूर्ण वातावरण है। लोलेगांव जाने के लिए जून से अक्टूबर तक का समय सर्वोत्तम होता है। यहां पहुंचने के लिए, आप सिलीगुड़ी से बस या टैक्सी ले सकते हैं, या फिर न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन या बागडोगरा हवाई अड्डे से किराए की कार ले सकते हैं। लावा गांव से भी लोलेगांव के लिए टैक्सी उपलब्ध है।

शिवाजी महाराज ने जगाई थी हिंदू समाज की सोई चेतना

ग्वालियर। शहर में हिंदू साम्राज्य दिवस कई जगह मनाया गया। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि सन् 1674 में ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी को छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था। इसी उपलक्ष्य में हिंदू साम्राज्य दिवस मनाया जाता है। शिवाजी महाराज ने हिंदू समाज की सोई चेतना को जगाया था। महलगांव बस्ती के लोगों ने सिटी सेंटर स्थित शिवाजी पार्क हिंदू साम्राज्य दिवस मनाया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग के सह कार्यवाह मुनेंद्र कुशवाह थे। इस अवसर पर अनिल पांडे विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं श्रीविहार बस्ती के लोगों ने शहीद सरमन सिंह पार्क में हिंदू साम्राज्य दिवस मनाया। मुख्य वक्ता मुनेंद्र कुशवाह थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गरगज नगर के संघचालक मानसिंह जादौन, लश्कर जिला कार्यवाह धर्मेंद्र सिकरवार, मनुराज आदि उपस्थित रहे।

संजय अध्यक्ष और अभय सचिव बने

ग्वालियर। लघु उद्योग भारती बिरलानगर ईकाई कार्यकारिणी का गठन मंगलवार को वर्ष 2025-27 के लिए किया गया। अध्यक्षता लघु उद्योग भारती के प्रदेश संयुक्त महामंत्री सोबरन सिंह तोमर ने की। कार्यकारिणी में अध्यक्ष संजय धवन, उपाध्यक्ष सागर अग्रवाल, सचिव अभय गर्ग, संयुक्त सचिव कमल गोयल, कोषाध्यक्ष राजकुमार राय, संरक्षक कमल शर्मा और कार्यकारिणी में संजय खण्डेलवाल, रवि हरलालका, अशोक गुप्ता, देवेन्द्र शिवहरे, हनि चौधरी, नरेन्द्र शिवहरे को बनाया गया। इस मौके पर आदेश बंसल, पुरूषोत्तम कौशिक, जगदीश मित्तल और अशोक प्रेमी उपस्थित रहे।

श्रीदेव गोल गप्पे वाले के पानी में आठ तरह का स्वाद

प्रशांत शर्मा ▸ ग्वालियर

पानी पूरी या गोलगप्पे, नाम सुनते ही शायद ही कोई ऐसा हो, जिसके मुंह में पानी न आये। एक समय था जब पानी पूरी खाने की बात पर हर कोई लड़कियों और महिलाओं पर तंज कसता नजर आता था तो लोग उन्हें चटोरी कहने से भी नहीं चूकते, लेकिन आज पानी-पूरी और चाट के ठेलों पर लड़कियों से ज्यादा लड़के और महिलाओं से ज्यादा पुरुष पानी पूरी का स्वाद लेते नजर आते हैं।

पानी पूरी को गोलगप्पा, फुल्की या फिर पुचका के नाम से भी जाना जाता है। वहीं शहर के सिटी सेंटर क्षेत्र में श्री देव पानी-पूरी वाले हैं, जिनके यहां पानी पूरी खाने के लिए भीड़ उमड़ती है। आजकल लोग पानी पूरी के लिए ऐसी जगह चुनते हैं जहां एक नहीं बल्कि पूरे आठ अलग-अलग स्वाद वाले पानी से भरी पानी पूरी खाने को मिले। यहां पर लगने वाले ठेले के गोलगप्पे का स्वाद बेहद ही लाजबाव है। इस ठेले पर कई तरह के फ्लेवर के साथ गोलगप्पे मिलते हैं और यहां दूर दूर से लोग खाने के लिए आते हैं।

रोजाना होती है 1500 तक की कमाई

गोलगप्पे बेचने वाले दुकानदार का कहना कि लोग उसके पास अलग-अलग फ्लेवर का टेस्ट लेने के लिए आते हैं। दुकान पर मिलने वाले पानी में घर के पिसे हुए शुद्ध मसालों का प्रयोग होता है। वहीं बरसात में गोलगप्पे सीलन से खराब न हों इसलिए पॉलिथिन में रखकर बेचते है। वहीं इन गोलगप्पों से भगवान गुर्जर की रोजाना 1500 तक की कमाई होती है।

स्वदेश से चर्चा करते हुए भगवान गुर्जर ने बताया कि उनका ठेला एक ही जगह पर मात्र छह महीने से लग रहा है। आज उनके 20 रुपए में आठ गोलगप्पे खूब बिक रहे हैं। उनके पास आठ तरह के फ्लेवर जीरा,पोदीना, लहसुन, नीबू, हाजमा, खजूर, रेगुलर, टमाटर के पानी के साथ गोलगप्पे खाने को मिलते हैं। उनके ठेले पर लोग अपने स्वाद के अनुसार गोलगप्पे का मजा लेते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास काफी दूर -दूर से लोग गोलगप्पे खाने के लिए आते हैं। लोगों को यहां का स्वाद अलग लगता है। इसीलिए वो यहां बार-बार गोलगप्पे खाने आते हैं। ग्राहकों का कहना है कि यहां के गोलगप्पे बाकी जगहों के गोलगप्पों से बड़े और बहुत ही यमी होते हैं।

यहां जानें पानी पूरी से जुड़े रोचक फैक्ट

- आपको बता दें कि पानी पूरी की शुरुआत मगध क्षेत्र से मानी जाती है।
- इसे आज दक्षिणी बिहार के नाम से जाना जाता है। पानी पूरी को पहली बार मगध में ही बनाया गया था।
- अलग-अलग राज्यों में पानी पूरी का अलग-अलग नाम से जाना जाता है।
- इसका प्राचीन नाम फुल्की बताया जाता है।
- कहीं इसे पानी बताशे के नाम से तो, कहीं इसे पताशी कहा जाता है।
- कुछ जगहों पर गुपचुप, गोलगप्पे और पकौड़ी भी कहा जाता है।
- समय के साथ पूरे देश में पानी पूरी का स्वाद भी लगातार बदला है।

अब एवरेस्ट फतह करना लक्ष्य

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

अन्वेशा ने 11 दिन में तय की दुर्गम दूरी

ग्वालियर के द्वारकापुरी निवासी विपिन कुमार शर्मा की बिटिया अन्वेशा शर्मा ने नेपाल स्थित हिमालय पर्वत की दक्षिण चोटी (एवरेस्ट बैस कैंप) को 11 दिन की दुर्गम चढ़ाई कर सुयश हासिल किया है। उनका अगला लक्ष्य अन्नपूर्णा बैस केम्प के साथ एवरेस्ट चोटी फतह करना है जो इस लक्ष्य से 3.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर है।

देहरादून के बेलहम गर्ल्स बोर्डिंग स्कूल की छात्रा कुमारी अन्वेशा के लिए यह दुर्गम सफर पूरा करना कठिनाइयों से भरा रहा। क्योंकि 20 मई को जब काठमांडू से लुकला पहुंचकर एवरेस्ट बैस कैंप की चढ़ाई शुरू की तब वहां का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस था, लेकिन जैसे-जैसे चढ़ाई पूरी होने को थी तब ऑक्सीजन कम होने लगी और तापमान माइनस चार डिग्री तक पहुंच गया। ऐसे में भूख भी नहीं लगती, लेकिन गर्म पानी पीकर ही आगे बढ़ पा रहे थे। उनके साथ स्कूल की पांच अन्य लड़कियों ने 125 किलोमीटर आने-जाने का यह सफर पूरा किया। इसके बाद ट्रैक द हिमालय संस्था ने प्रमाण पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि बैस कैम्प से 3.5 किलोमीटर ऊंचाई पर एवरेस्ट चोटी है। उम्र कम होने के कारण उन्हें वहां जाने की अनुमति नहीं मिली। लेकिन अगली बार इस लक्ष्य को जरूर पूरा करेंगी। 17 वर्षीय छात्रा ने कहा कि ट्रैकिंग से पहले उन्होंने कई दिनों तक दौड़ एवं बाधाएं कैसे दूर की जाती है इसका प्रशिक्षण लिया। साथ ही वह कराटे प्लेयर भी रही हैं। इसलिए उन्हें मार्ग में कोई दिक्कत नहीं आई।

एलएनआईपीई की कुलपति ने किया पदभार ग्रहण

ग्वालियर। लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान की कुलपति प्रो. कल्पना शर्मा ने मंगलवार को अपना पदभार ग्रहण किया। संस्थान आगमन पर कार्यवाहक कुलपति प्रो. इंदु बोरा एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ संजीव यादव द्वारा नव नियुक्त कुलपति का स्वागत किया गया और पदभार ग्रहण के पश्चात् प्रो. कल्पना शर्मा द्वारा संस्थान में स्थापित महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

शिविर में किया वन कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण

स्वस्थ जीवन शैली बेहद जरूरी: मीना

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

सामाजिक वानिकी वृत्त ग्वालियर द्वारा मंगलवार को मनीपाल अस्पताल द्वारका नई दिल्ली के सहयोग से तपोवन परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें दिल्ली से आए डॉ. विजय उड़गेकर, डॉ. दिलीप शर्मा, डॉ. राजेन्द्र शर्मा, डॉ. योगेन्द्र, सपोर्ट एंड केयर कैंसर ग्रुप ग्वालियर के डॉ. सोनू दुबे, डॉ. दीक्षा तिवारी, जेसीआई क्लब ग्वालियर के डॉ. हनी शर्मा ने अधिकारी, कर्मचारियों एवं श्रमिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सा परामर्श दिया।

शिविर में वन मंडल अधिकारी अवधेश कुमार मीना एवं उप वन मंडल अधिकारी एसपी शाक्य सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, रोपणी के श्रमिक मौजूद रहे। इस अवसर पर वन मंडल अधिकारी अवधेश कुमार मीना ने कहा कि हम सभी को स्वस्थ जीवन जीने के महत्व पर ध्यान देना चाहिए। स्वस्थ जीवन शैली बेहद जरूरी है। जिसमें संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त आराम और तनाव प्रबंधन शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारे स्वास्थ्य के लिए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे बीमारियों का जल्द पता लगाने और उचित इलाज कराने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सामाजिक वानिकी की प्रत्येक इकाइयों में भी लगाए जाएंगे। जिससे अधिक से अधिक अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रमिक अपना निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करा सकेंगे।

सीआईआई यंग इंडियंस ने जाने औद्योगिक विकास के तरीके

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

कनफेडरेशन इण्डियन इंडस्ट्रीज यंग इंडियंस (वाईआई) ग्वालियर चैप्टर के 20 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भोपाल का दौरा किया। जिसका उद्देश्य ग्वालियर, अहमदाबाद एवं भोपाल शहरों के युवा उद्यमियों और पेशेवरों के बीच संबंधों को मजबूत करना था। यात्रा का मुख्य आकर्षण मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र का दौरा था। ग्वालियर के प्रतिनिधिमंडल ने वहां की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों का भ्रमण किया और उनकी उन्नत निर्माण प्रक्रियाओं और कार्यप्रणाली को समझा।

यह दौरा सदस्यों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा, जिससे उन्हें औद्योगिक स्वचालन और प्रबंधन की नई तकनीकों की जानकारी मिली। वाईआई ग्वालियर के चैप्टर चेयर सीए प्रभात चोपड़ा ने इस आयोजन को एक बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि मंडीदीप का दौरा विशेष रूप से प्रेरणादायक था। भरत भागचंदानी एवं दिव्यांश अग्रवाल ने सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाई।

भोला हत्याकांड आरोपियों के परिजन बोले झूठा फंसाया

ग्वालियर। भोला सिकरवार की हत्या के आरोपियों के परिजनों की महिलाएं पुलिस जन सुनवाई में पहुंची और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह से चार लोगों को झूठा फंसाने की बात कही। साथ ही उक्त मामले में सीआईडी जांच की मांग भी की। 2 जून को हजीरा थाना क्षेत्र स्थित लाइन नम्बर दो में भोला सिकरवार की बंटी भदौरिया और उसके साथियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उक्त मामले में बंटी के अलावा शिवा राजावत, रानू राजावत, पुष्पेन्द्र भदौरिया, लाला कमरिया सहित अन्य लोग आरोपी बनाए गए हैं। मंगलवार को शिवा, रानू, पुष्पेन्द्र व लाला के परिजन पुलिस जनसुनवाई में पहुंचे और एसएसपी धर्मवीर से गुहार लगाई कि उनके शिवा व रानू घटना के समय डबरा में जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे। रानू व शिवा की पत्नी ने शिकायती आवदेन में बताया कि 2 अक्टूबर को सब लोग डबरा में थे। उन्होंने उक्त हत्याकांड में फंसाए गए लोगों की सीआईडी जांच कराने की बात भी कही। पुलिस अधिकारी ने महिलाओं को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

योग कराने वाले शिक्षकों को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

जिले में विश्व योग दिवस की तैयारियां जोर-शोर से जारी

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

जिले में विश्व योग दिवस पर 21 जून को होने वाले सामूहिक योगाभ्यास की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। तैयारियों के सिलसिले में मंगलवार को भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) योग शिक्षकों सह ग्राम योग समितियों के पदेन सचिवों को कॉमन योगा प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया गया। इससे पहले योगाभ्यास कराने वाले मास्टर ट्रेनर्स एवं योग क्लब प्रभारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

आईआईटीटीएम में ग्राम योग समितियों के सचिवों का प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. कुमार संजीव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिये योग की महत्ता को विशेष रूप से रेखांकित किया। साथ ही सभी से योग को अपनी दिनचर्या का अंग बनाने के लिये प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण दीपक पाण्डेय सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर ने बताया कि विश्व योग दिवस पर जिले में विभिन्न स्थानों पर लगभग पांच लाख विद्यार्थी व नागरिक सामूहिक योगाभ्यास करेंगे। जिले की प्रत्येक ग्राम में भी 21 जून को सामूहिक योगाभ्यास कराने की तैयारी की जा रही है। जिला प्रशासन के तत्वावधान में जिले के विविध योग संगठन क्रीड़ा भारती, आरोग्य भारती हार्टफुलनेस, पतंजलि योग समिति, आईएनओ सूर्या, ब्रह्मकुमारी,भारतीय योग संघ, आर्ट ऑफ लिविंग, भारतीय योग संस्थान ,जिला, विकासखंड ग्राम एवं वार्ड योग समितियां, मजदूर सेवार्थ पाठशाला आदि संस्थानों के सहयोग से जिले के 3 हजार से अधिक स्थानो पर योगाभ्यास कराने की तैयारी की जा रही है।

केदारधाम में आचार्य अभ्यास वर्ग प्रारंभ

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

सरस्वती शिशु मन्दिर केदारधाम आवासीय विद्यालय में चार दिवसीय आचार्य अभ्यास वर्ग मंगलवार से आरंभ हुआ। प्रथम सत्र में शासकीय अधिवक्ता राजेश शुक्ला का हमारा लक्ष्य विषय पर उद्बोधन हुआ।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ही हमारे कार्य को प्रकाशित करता है। हमें विभिन्न दायित्वों पर कार्य करते हुए अपने लक्ष्य पर अडिग रहना चाहिए। द्वितीय सत्र में प्राचार्य बलबीर सिंह सोलंकी का वैदिक गणित विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। तृतीय सत्र में विद्यालय के प्रबंधक अवधेश त्यागी द्वारा शिक्षा नीति के मूल्यों पर प्रकाश डाला। अंतिम सत्र अभिव्यक्ति सत्र का रहा जिसमें हिंदी के आचार्य आशीष गुप्ता द्वारा बालसभा से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ बाल शिक्षा कैसे आनंदित हो इस पर चर्चा की गई। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक अवधेश त्यागी और प्राचार्य अमित कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

बिजली कटौती के विरोध में कांग्रेस ने दिया धरना

तो महिलाएं ऊर्जा मंत्री को पहनाएंगी चूड़ियां

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

शहर में भीषण गर्मी में हो रही बेतहाशा अघोषित बिजली कटौती एवं अन्य समस्याओं को लेकर मंगलवार को कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में रोशनी घर मुख्यालय के बाहर जंगी धरना प्रदर्शन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरूष शामिल हुए और हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन करते दिखे। बाद में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम दस सूत्रीय ज्ञापन महाप्रबंधक शहर नितिन मांगलिक को दिया गया।

विधायक डॉ. सिकरवार ने धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए घोषणा की कि अगर अतिशीघ्र ज्ञापन में उल्लेखित समस्याओं को समाधान नहीं किया गया तो हजारों महिला-पुरूषों के साथ ऊर्जा मंत्री के निवास पर धरना प्रदर्शन के साथ चूड़ियां पहनाई जाएंगी। धरने पर बैठे लोग ऊर्जा मंत्री होश में आओ, बिजली समस्या हल कराओ के नारे लिखी तख्तियां लिए हुए थे।

विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि गरीबों को बढ़े हुए बिजली के बिल भेजे जा रहे हैं और मंत्री जी पार्क में टेंट लगाकर सो रहे हैं। आखिर वे कब तक इस तरह की नौटंकी और ड्रामा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्री जब विपक्ष में थे, तब नसेनी कंधे पर रखकर बिजली के तार जोड़ते थे। मगर आज सत्ता में इतने मद-मस्त हैं कि लोगों के बिजली कनेक्शन कटवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो सरकार जनता को पानी-बिजली नहीं दे पा रही है, उस सरकार को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, एमआईसी सदस्य अवधेश कौरव, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, देवेन्द्र चौहान, हितेन्द्र यादव, वीना भारद्वाज, पार्षद केदार बरहादिया ने भी विचार रखे। संचालन अनूप शिवहरे एवं आभार महादेव अपोरिया ने व्यक्त किया। धरना प्रदर्शन में चेंबर उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, बृजेश शुक्ला, रामअवतार जाटव, सुरेंद्र साहू, अंकित कठठूल, प्रमोद खरे, सुधीर मंडेलिया, आदित्य सेंगर, प्रमोद जैन, लालू जैन, रेनू चौहान, सरोज साहू, हेमलता प्रजापति, राजकुमारी साहू आदि शामिल रहे।

जेएएच में प्राइवेट एंबुलेंस क्यों खड़ी थी, पत्र लिखकर पूछा

ग्वालियर। जयारोग्य अस्पताल परिसर में खड़ी निजी एंबुलेंस एमपी 07 डीए 0879 में सोमवार की देर रात्रि आग लग गई थी। इस मामले में जीआर मेडिकल कॉलेज अधिष्ठाता डॉ.आरकेएस धाकड़ ने जयारोग्य अस्पताल अधीक्षक डॉ.सुधीर सक्सेना का पत्र जारी कर जानकारी मांगी है कि निजी एंबुलेंस परिसर में क्यों खड़ी थी? क्योंकि आरएफआईडी पार्किंग के अनुबंध में स्पष्ट है कि कोई भी निजी एम्बुलेंस अस्पताल में खड़ी नहीं होगी। मरीज को छोड़ने के बाद उसे तत्काल परिसर से बाहर होना पड़ेगा।

पीपीई किट कबाड़े में

ग्वालियर। शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लक्ष्मीगंज की छत पर एक बाक्स में पीपीई किट कबाड़ में रख दी गई हैं। कोविड के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र को यह पीपीई किट उपलब्ध कराई गई थीं। स्वास्थ्य विभाग कोरोना रोकथाम के लिए संसाधन जुटाने के साथ पीपीई किट, जांच किट की उपलब्धता सुनिश्चित करने का दावा कर रहा है।

'गेट-टु-गेदर -बिजनिस कनेक्ट' में महिला उद्यमियों ने बताए आइडिया

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) वुमन विंग का 'गेट-टु-गेदर-बिजनिस कनेक्ट विद वुमन आंत्रप्रेन्योर' का आयोजन मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम में ट्रेड से जुड़ी शहर की उद्यमी महिलाओं ने बिजनिस आइडियाज एक्सचेंज, स्टेट और सेंट्रल गवर्नमेंट की पॉलिसी डिस्कशन कर एक दूसरे की बिजनिस यात्रा के संबंध में अन्य उद्यमी महिलाओं ने जाना। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती शीला जैन ने कहा कि महिलाओं को अगर अवसर मिले तो वह अपनी योग्यता से परिवार को सशक्त बनाने में सहयोगी हो सकती हैं। कैट और भारतीय जैन मिलन मिलकर अगर कोई प्रोजेक्ट करता है तो वह उसमें पूरी सहभागिता के साथ काम करेंगी। कविता जैन ने बताया कि वे ई-रिक्शा बनाने वाली मध्यप्रदेश की पहली महिला उद्यमी हैं और अब इलेक्ट्रोनिक स्कूटर भी बना रही हैं। वे शीघ्र ही कैट और मेटा के द्वारा आयोजित व्यापार सखी कार्यक्रम को आयोजित करेंगी। बबीता डाबर ने अपने व्यवसाय के संबंध में बताते हुए महिलाओं को प्रोत्साहित करने हेतु वोकल फॉर लोकल के संबंध में रैली आयोजित करने की बात करने की जिम्मेदारी ली। रीना गांधी ने वोकल फॉर लोकल उत्पादों की प्रदर्शनी लगाए जाने हेतु सहमति व्यक्त की। उद्यमी निरूपमा मालपानी, राखी गुप्ता ने महिला उद्यमियों की डायरेक्टरी बनाने का निश्चय किया और इसके लिए ग्वालियर की महिला उद्यमियों का डाटा तैयार किया जाएगा एवं प्रत्येक माह गेट-टू-गेदर रखा जाएगा। इस अवसर पर डॉ. गरिमा वैश्य, शुभांगी चतुर्वेदी, मीनाक्षी गोयल ने वित्तीय स्वतंत्रा और समावेशी उद्यमता पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर प्रिया दास, ज्योति गोले आदि उपस्थित रहे।

लोक नाट्य

राजेन्द्र सोनी

आंचलिक रंगमंच पर लोकधर्मिता

कला की अवधारणा को लेकर पाश्चात्य और भारतीय दृष्टि में मूल अंतर दिखाई देते हैं। इस संदर्भ में छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य को देखें तो हम पाते हैं कि यहां तत्वों का समावेश न होकर आनंदवाद को प्राथमिकता दी गई है। जीवन एक उत्सव है, अनुष्ठान है, इसलिए शाश्वत है, निरन्तर गतिशील प्रक्रिया है। एक बार समाप्त हो जाने के बाद पुनः जीवित हो उठता है। यही दर्शन कला के रूप में अभिव्यक्ति पाता है। विद्वानों ने लोक नाट्य को दो विधानों लोक धर्मी और नाट्य धर्मी में बांटा है। इस लोक धर्मी अभिनय में रंगमंच पर कृत्रिम उपकरणों का उपयोग नहीं होता, आंगिक अभिनय ही पर्याप्त होता है और यही छत्तीसगढ़ का लोक नाट्य नाचा है।

नाट्य धर्मिता में परम्परा का जन्म नहीं होता, यहां शास्त्र ही काम आता है। भरत मुनि के नाट्य शास्त्र को साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जाता है। उनके नाटकों को मनोरंजक और पैनी दृष्टि से आकर्षक बनाने के लिए सहारे की तरह शिव के भाव और तांडव जैसे नृत्यों को समाहित किया जाता है। इससे साफ जाहिर होता है कि नाटक का जन्म न तो नृत्य से हुआ, न कठपुतली कला से, बल्कि स्वयं नाटक ने अपने विकास के बाद इन कलाओं को साथ जोड़ा। यों भी किसी प्रदर्शनकारी माध्यम की पहली अभिव्यक्ति एक समूह के रूप में हुआ करती है। भरत मुनि का सूत्रधार आज डायरेक्टर कहलाता है, जबकि छत्तीसगढ़ के नाचा का जोकर स्वयं संपूर्ण परिपक्व डायरेक्टर होता है। भरत मुनि के नाट्य चिंतन, नाट्य शास्त्र के निर्माण के सैकड़ों वर्ष पूर्व नाचा लोक समाज में भिन्न भिन्न नामों से विद्यमान था।

लोक साहित्य

डा सत्यभामा आडिल

मातृभाषा ही क्षेत्र विशेष की पहचान होती है

भाषा और संस्कृति का एक दूसरे से परस्पर संबंध है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण एक त्रासदी का अंत था - यह माना गया। यह त्रासदी, छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों और छत्तीसगढ़ी भाषा भाषी मनुष्यों की अपेक्षा, अपमान, अवहेलना और मानसिक प्रताड़ना ही हृदय को झकझोरने वाली कथा है। यदि इसे हम गाथा कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। भाषा हमारे सम्पूर्ण संस्कार, लोकाचार, रीतिरिवाज, आस्था, विश्वास, नीति, मर्यादा, व्यवहार, सदाचार, स्वभाव, रहन सहन, कृषि, व्यवसाय, पारिवारिक सामाजिक सम्बन्ध, लोक जीवन के परिवेश और प्रकृति को अभिव्यक्त करती है।

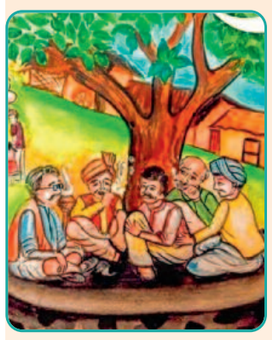

हमारी संस्कृति भाषा के ही माध्यम से ही युगों युगों तक जीवित रहती हैं। संस्कृति नदी की अनवरत बहने वाली जल धारा है जो भाषा के तट बंध के साथ चलती है और नदी कहलाती है। तटबंध छोड़ते ही नदी, नदी नहीं रहती। संस्कृति की समस्त विशेषताएं, लोक के सारे उपादान भाषा के बिना अपंग हो जाते हैं। तथाकथित क्षेत्र, अंचल की पहचान उस क्षेत्र की बोली भाषा होती है। संस्कृति सदा लोक जीवन से जुड़ी होती है, इसलिए लोक संस्कृति में लोकगीत, लोककथा, लोकाचार, वैवाहिक रीतिरिवाज यह सभी स्थाई स्तम्भ होते हैं। यही किसी भी संस्कृति को पृथक पहचान देती है। भाषा साहित्य पर और साहित्य भाषा पर अवलंबित होते हैं। इसलिए भाषा और साहित्य साथ साथ पनपते हैं। अनेक लेखकों का मत है कि अतीत में यहां के लेखकों ने संस्कृत भाषा को लेखन का माध्यम बनाया और छत्तीसगढ़ी के प्रति जरा उदासीन रहे।

गांव की कहानी

पूरन सिंह सिदार

कई साक्ष्य आज भी समाहित हैं जलगढ़ में

सरायपाली से लगभग 12कि मी दूरी पर दक्षिण की ओर प्राचीन राजधानी बस्तीपाली मार्ग पर जलगढ़ ग्राम है। इस गांव में पहले भैना कुर्मी वनवासियों का निवास था। वर्तमान में यहां कोलता जाति के मालगुजारों के वंशज एवं अन्य जाति के लोग निवास करते हैं। गोंडो के आक्रमण के बाद कुर्मियों ने अन्यत्र पलायन कर लिया। यहां मेढ़ वाला प्राचीन और बड़ा तालाब है जिसमें आसपास के गांवों में आज भी सिंचाई होती है। तालाब में खुदाई के समय कुछ मूर्तियां प्राप्त हुई थीं, उन मूर्तियों में एक शिवलिंग, भैरव, नंदी, हाथी, घुड़सवार और सैनिक आदि की है। शिवलिंग और भैरव की मूर्तियों को तालाब के किनारे शिवालय बना कर रखा गया है। शेष मूर्तियों को ग्राम के मध्य में एक पेड़ के नीचे रखा गया है, जिन्हें बारह भाई के नाम से जाना जाता है। बारह भाई नामकरण के पीछे कोई कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, पर अब किसी आपदा के कारण बारह भाई की कुछ मूर्तियां खंडित हो चुकी हैं। इस आसपास के क्षेत्रों में खंडित शिवलिंग की अधिकता देखी जाती है जिससे स्पष्ट हो जाता है कि पहले यहां के शासक शिव उपासक रहे होंगे। यह पूरा क्षेत्र वर्तमान में प्रकृति की मार से बचा हुआ है क्योंकि बड़े बड़े विशाल वृक्ष की सघनता आज भी यहां देखी जाती है, इसके कारण वातावरण हरियाली की चादर ओढ़े रमणीय लगता है।

कल्चुरियों का राज्य समाप्त हो जाने के बाद जब छत्तीसगढ़ पर मराठों का कब्जा हुआ तब रियासतें घटते घटते कम हो गई। अंग्रेजी राज्य कायम होने पर पांच रियासतें कालाहांडी, पटना, रेराखोल, बामड़ा और सोनपुर उड़िया भाषी होने के कारण संबलपुर जिले के साथ उड़ीसा प्रांत में मिला दी गई। शेष 14 रियासतें क्रमशः बस्तर, कांकेर, राजनांदगांव, खैरागढ़, छुईखदान, कवर्धा, सक्ति, सारंगढ़, सरगुजा, धर्मजयगढ़, चांगभखार, कोरिया और जशपुर अंग्रेजी राज्य के अधीन थी।

रियासतकाल में प्रभावी रहा फ्यूडेटरी चीफ व्यवस्था

सन 1964 में छत्तीसगढ़ की इन सभी 14 जमींदारियों को रियासत और उनके प्रमुखों को फ्यूडेटरी चीफ कहा गया। फ्यूडेटरी का अर्थ शब्दकोष में जागीरदार, सामंत और मातहत दिया गया है। इस अर्थ में रूलिंग चीफ का आशय जागीरदार या सामंत से लिया जाना चाहिए। सन 1905 में उड़िया भाषी पांच रियासतों क्रमशः सरगुजा, उदयपुर, जशपुर, कोरिया और चांगभखार को छत्तीसगढ़ संभाग में शामिल कर लिया गया। फ्यूडेटरी चीफ कहलाने वाले रियासत प्रमुख अपने अपने राज्यों का शासन अंग्रेज पोलिटिकल एजेंट की सहमति से चलाते थे। सन 1921 में फ्यूडेटरी चीफ को रूलिंग चीफ का दर्जा प्रदान किया गया। प्रारंभ में राजा जमींदार कहलाते थे। बस्तर, कांकेर और कवर्धा छत्तीसगढ़ी जमींदारी और राजनांदगांव, खैरागढ़ तथा छुईखदान खलौटी जमींदारी के नाम से पुकारे जाते थे। छत्तीसगढ़ में खाल्हे का अर्थ नीचे होता है इसलिए राजनांदगांव, खैरागढ़ और छुईखदान को खाल्हे राज भी कहा जाता था।

फ्यूडेटरी चीफ को अपने नीचे की अदालतों के फैसले की अपील सुनने का अधिकार होता था। प्रत्येक रियासत में एक दीवान की नियुक्ति होती थी, जिन्हें फौजदारी मुकदमों में डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट तथा सेशंस जज और दीवानी मुकदमों मंत जिला जज का अधिकार था। तहसीलदार और नायब तहसीलदार फौजदारी मुकदमों के क्रमशः द्वितीय और तृतीय श्रेणी के मजिस्ट्रेट होते थे। शिक्षा विभाग की व्यवस्था के लिए समस्त राजाओं द्वारा एक इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल्स की नियुक्ति की जाती थी, जो ब्रिटिश राज्य के शिक्षा विभाग के इंस्पेक्टरों से चुनकर नियुक्त किए जाते थे, इन्हें एजेंसी इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल्स कहा जाता था।

ऐतिहासिक : वीरेन्द्र बहादुर सिंह

आस्था: दिनेश वर्मा

धार्मिक मान्यता से ओतप्रोत मावली पानी

छत्तीसगढ़ के वनांचल में अदभुत व अलौकिक रहस्यों की श्रृंखला है। यहां की धरती में अनेक जिज्ञासात्मक तथ्य विद्यमान हैं। कुछ तथ्य लोगों के प्रयास से ज्ञात हो पाए हैं तो कुछ आज भी धरती के गर्भ में हैं। जिला चारामा और बालोद विकासखंड की सीमा पर ग्राम कंजेली, पचेड़ा और ओडगांव के जंगल में एक स्वच्छ व पवित्र पानी का कुंड है जिसे ग्रामीण सदियों से मावली पानी के नाम से जानते हैं। मावली अर्थात देवी और मावली पानी यानी देवी मां के वरदान से युक्त पानी। मावली पानी का विशेष महत्व बसंत पंचमी व माघ पूर्णिमा के दिन स्नान का है। गांव के अबोध ग्रामीण इस मावली पानी को अर्द्ध कुंभ का दर्जा देते हैं। इस पानी में स्नान करने के अनेक लाभ ग्रामीण गिनाते हैं। इसी मान्यता के कारण दूर दूर से इस मावली पानी में स्नान आते रहते हैं। खासकर माघी पूर्णिमा के दिन इस स्थल पर विशेष भीड़ देखी जाती है। इस पानी में चर्म रोग दूर होने की बात भी कही जाती है। आसपास के ग्रामीणों के लिए यह पानी वरदान साबित होता है, इतना ही पता चलने पर दूर दूर से लोग इस पानी में स्नान करने आते रहते हैं। लगातार इस स्थल पर भीड़ बढ़ती जा रही है।

शिल्पकला

नर्मदा प्रसाद ताम्रकार

अपनी विरासत को आगे बढ़ाने असहाय महसूस कर रहे शिल्पकार

दुर्ग जिला मुख्यालय से 35 कि मी दूर बेमेतरा मार्ग पर धमधा स्थित है। कांसे के बर्तन और मूर्तियां बनाने का काम यहां ताम्रकार परिवार के लोग ही करते हैं। यह ताम्रकार कांसे के अलावा तांबा एवं पीतल के बर्तन भी बनाते हैं। मूलतः इनके पूर्वज हैहयवंशी नरेशों के शासन काल में सिक्कों की ढलाई का काम किया करते थे। संभवतः ताम्र धातु को आकार देने के कार्य से ही ताम्रकार उपनाम इस वर्ग विशेष के साथ जुड़ गया होगा। वैसे यह सूर्यवंशी कहलाते हैं। सिक्कों की ढलाई के अलावा राजप्रसाद के लिए उत्तम कलाकृतियुक्त सजावटी मूर्तियां या पात्र या अन्य उपयोगी बर्तनों का निर्माण भी यह करते हैं। यहां के कारीगरों द्वारा बनाई गई कलात्मक मूर्तियां आज भी देखी जा सकते हैं। उन मूर्तियों को बनाने वाले कारीगर अभी धमधा में हैं जो कई स्तरों पर पुरस्कृत हो चुके हैं। हैहयवंशी नरेशों के पतन के बाद इस जाति ने अपनी कला को व्यवसाय का रूप दिया और धीरे धीरे कांसा एवं पीतल के बर्तनों के लिए धमधा एक प्रमुख केन्द्र बन गया। इस प्रकार धमधा में कांसा पात्र उद्योग एक परंपरागत कुटीर उद्योग के रूप में विकसित हुआ। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व से ही न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि अन्य प्रदेशों में भी धमधा में बने पात्र की खपत होने लगी और बर्तन व्यवसाय में धमधा का नाम बहुत ही चर्चित हो गया। अब आज परिस्थिति ठीक विपरीत होता जा रहा है। कच्चे माल की कमी, ढुलाई लागत में लगातार वृद्धि होने के साथ सहकारिता विभाग के असहयोग के कारण इस उद्योग में संकट गहराने लगा है। अब इस व्यवसाय में जुड़े लोगों में कमी देखी जा रही है। शासकीय प्रोत्साहन और बाजार में कमी भी इस व्यवसाय को प्रभावित किया है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

साहित्य व कला क्षेत्र में समर्पित रहते थे लखनलाल

सुरता

महेश श्रीवास

बिलासपुर अंचल में लोक साहित्य और कला के लिए समर्पित रह कर काम करने वालों में लखनलाल विश्वकर्मा का नाम आदरपूर्वक लिया जाता है। विश्वकर्मा जी कुशल हारमोनियम वादक के साथ सिद्धहस्त गायक थे। अपने लिखे गीतों को लयबद्ध गायन करते थे। कवि सम्मेलन के मंचों पर अपनी कविता से विशेष छाप छोड़ जाते थे। आप बिलासपुर के समन्वय साहित्य समिति के कर्मठ कार्यकर्ता थे।

साहित्य के प्रति रुचि रखने वालों को समिति में आप शामिल करते थे। नई प्रतिभावों को आगे बढ़ाने में लगे रहते थे। आपकी समिति के प्रति लगाव का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आपने समिति के प्रति भाव कविता के रूप में प्रकट किए -

समन्वय समन्वय समन्वय,
नव निर्माण है समन्वय।
संगीत की लय ताल मात्रा,
सुर तान है समन्वय।

आप छत्तीसगढ़ी में लेखन को ज्यादा प्राथमिकता देते रहे। आप आंचलिक परिदृश्यों को ज्यादा प्राथमिकता के साथ अपनी रचना का आधार बनाते थे-

गोड़ असन तोरे हावय बस्तर,
मुड़ असन हे सरगुजा।
दुरूग पेट हे रयपुर छाती,
बिलासपुर रयपुर भुजा।

आप कठिन विधा पर भी लेखन करते थे, जिसमें लघु कथा संग्रह ' रामसुधा रस' शीर्षक से प्रकाशित कराया।

इसके बाद भरतजी पर खंड काव्य की रचना कर रहे थे,

जिसका शीर्षक ' भरत विषाद ' रखा था, जो लगभग पूर्णता की ओर था, लेकिन दुर्भाग्यवश इस संकलन के प्रकाशन के पहले काल कवलित हो गए। इसी तरह उनकी और भी कृतियां अधूरी रह गई। साहित्यकारों के बीच अल्प समय में पहचान बनाने वाले इस साहित्यकार का बिछुड़ना एक अपूरणीय क्षति है।

तीन अनकैप्ड विस्फोटक सितारे होंगे टी20 विश्व कप टीम में : उथप्पा

नई दिल्ली। तीन अनकैप्ड विस्फोटक सितारे निश्चित रूप से अगले साल घर पर होने वाले टी20 विश्व कप खिताब की रक्षा के लिए टीम में होंगे। ये सितारे हैं प्रियांश आर्य, प्रभासिम्रन सिंह और वैभव सूर्यवंशी। यह मानना है पूर्व शीर्ष बैटसमैन रॉबिन उथप्पा का। हाल ही में विभिन्न फ्रेंचाइजियों ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सीजन में नई प्रतिभाओं का खुलासा किया जबकि कुछ को भविष्य के लिए लोगों के रूप में पहचाना गया था जिनमें से कुछ ने भारत के टी20आई स्थान के लिए दरवाजा खटखटाया। पंजाब किंग्स की ओपनिंग जोड़ी प्रियाश और प्रभासिम्रन ने पूरे टूर्नामेंट में अपने आक्रामक इरादे से चकाचौंध कर दिया। युवा जोड़ी के अलावा 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लिए खेलते हुए सुर्खियां बटोरीं और सावधानी और आक्रामकता का मिश्रन दिखाया। युवा तिकड़ी के उदय के साथ भारत अगले साल के मार्की इवेंट के लिए सबसे अच्छे शीर्ष आदेश का पता लगाने में एक बड़ी चुनौती का सामना करेगा। शुबमन गिल और यशसवी जायसवाल ने प्रारूप से एक साल दूर बिताया है। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने उनकी अनुपस्थिति में एक नई उद्घाटन जोड़ी बनाई है। उन्होंने कहा, प्रियाश आर्य, प्रभासिम्रन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, ये सभी निश्चित रूप से एक विश्व कप टीम के लिए दावेदारी में होंगे। यह टूर्नामेंट से पहले शेष टी20 का उपयोग करने के बारे में है, जो कि सबसे अच्छा 15-मैन स्क्वाड का पता लगाने के लिए है। उन्होंने कहा, तब संजू सैमसन है। इसलिए यह एक चुनौती है कि कौन कट बनाता है। फिटनेस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, आप एक पूरी तरह से फिट टीम को विश्व कप में ले जाना चाहते हैं और मुझे यकीन है कि चयनकर्ताओं और प्रबंधन की निगरानी की जाएगी। अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के दौरान प्रभासिमरान ने 32.29 की औसत से 17 मैचों में 549 रन बनाए, जबकि चार अर्द्धशतक के साथ 160 से अधिक की स्ट्राई और 91 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। 24 वर्षीय टूर्नामेंट में आठवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर रहे। दिल्ली प्रीमियर लीग में अपने कारनामों के लिए प्रतिष्ठा अर्जित करते हुए 179.24 की स्ट्राइक रेट को बनाए रखते हुए 27.94 की औसत से 17 पारियों में 475 रन के साथ सीजन समाप्त किया जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल थे। सूर्यवंशी की बात करें तो उन्होंने 36.00 की औसत से 7 मैचों में 252 रन बनाए जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 206 से ऊपर का था।

डबल्यूटीसी फाइनल में स्मिथ और रबाडा के बीच होगा कड़ा मुकाबला

स्मिथ जहां बड़ा स्कोर बनाने उतरेंगे वहीं रबाडा की नजरें उनके विकेट पर रहेंगी

लंदन। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डबल्यूटीसी) के फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा के बीच कड़ा संघर्ष होने की संभावना है। स्मिथ जहां बड़ा स्कोर बनाने उतरेंगे वहीं रबाडा की नजरें उनके विकेट पर रहेंगी। अब तक इन दोनो के बीच 15 पारियों में टक्कर हुई है। इस दौरान स्मिथ ने 262 गेंद में 128 रन बनाये हैं। वहीं रबाडा ने उन्हें चार बार आउट किया है। रबाडा के खिलाफ स्मिथ का स्ट्राइक रेट 32.00 रहा है। इस दौरान स्मिथ ने 16 चौके और दो छक्के लगाये हैं। वहीं लॉर्ड्स की बात करें तो इसमें रबाडा का प्रदर्शन अच्छा रहा है। उनका औसत 19.38 है, जो फाइनल में खेलने वाले सभी गेंदबाजों में सर्वश्रेष्ठ है)। वह ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस 21.10, जोश हेजलवुड 26.15 और मिशेल स्टार्क 33.62 से पीछे हैं। उन्होंने इस स्थल पर खेले गए इन दो टेस्ट मैचों में 13 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/52 रहा है। दूसरी ओर स्मिथ भी लॉर्ड्स में खासे सफल रहे हैं। उन्होंने यहां पांच टेस्ट और 9 पारियों में 58.33 की औसत से 525 रन बनाए हैं जिसमें 9 पारियों में दो शतक और अर्द्धशतक शामिल हैं। इस स्थल पर उनकी आखिरी पारी 2023 एशेज में इंग्लैंड के खिलाफ 110 रनों की पारी थी। हाल में 10,000 रन पूरे करने वाले स्मिथ रबाडा की तेज गेंदों का लाभ उठाना चाहेंग। स्मिथ का आईसीसी नॉकआउट मैचों में शानदार रिकॉर्ड है, जिसमें उन्होंने 12 मैचों और पारियों में 58.40 की औसत से 584 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और चार अर्द्धशतक शामिल हैं, जिसमें सर्वश्रेष्ठ 2023 फाइनल में भारत के खिलाफ 121 रन है।

निकोलस पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

निकोलस पूरन ने 29 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा है। वे पूरी तरह फिट हैं, लेकिन सिर्फ फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस करना चाहते हैं। यही कारण है कि 160 से ज्यादा मैच खेलने के बाद उन्होंने इस उम्र में इंटरनेशल क्रिकेट से दूरी बनाई है।

त्रिनिदाद

वेस्टइंडीज टीम के बांये हाथ के तूफानी बल्लेबाज एवं पूर्व कप्तान निकोलस पूरन ने महज 29 वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। पूरन ने सोमवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा, बहुत सोच-विचार और चिंतन के बाद मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का निर्णय लिया है। जिस खेल से हम प्यार करते हैं, उसने हमें बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा। इसके साथ खुशी, उद्देश्य और वेस्टइंडीज के लोगों का प्रतिनिधित्व करने की यादें है। मैरून रंग पहनना, राष्ट्रगान के लिए खड़ा होना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना सबकुछ देना शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। कप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करना एक ऐसा सम्मान है जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगा।

उन्होंने कहा, प्रशंसकों को अटूट प्यार के लिए धन्यवाद। आपने मुश्किल समय में मेरा साथ दिया और अच्छे पलों का बेजोड़ जुनून के साथ जश्न मनाया। मेरे परिवार, दोस्तों और साथियों को, मेरे साथ इस सफ़र पर चलने के लिए धन्यवाद। आपके विश्वास और समर्थन ने मुझे इस सब से ऊपर उठाया। भले ही मेरे करियर का यह अंतर्राष्ट्रीय अध्याय बंद हो गया हो, लेकिन वेस्टइंडीज़ क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी कम नहीं होगा। मैं टीम की सफलता के अलावा कुछ नहीं चाहता। पूरन ने 167 बार वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें एकदिवसीय मैचों में 99.15 की स्ट्राइक रेट से 39.66 की औसत से 1983 रन बनाए और 136.39 की स्ट्राइक रेट से 2275 टी-20 रन बनाए, जो वेस्टइंडीज के किसी खिलाड़ी का सर्वाधिक रिकॉर्ड है। पूरन ने 2016 में पाकिस्तान के खिलाफ यूएई में अंतरराष्ट्रीय टी-20 पर्दापण किया था, इसके ठीक तीन साल बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में शुरुआत की थी। वर्ष 2018 में उन्होंने वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया और बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को वेस्टइंडीज क्रिकेट विश्व कप 2019 टीम में शामिल किया गया। उन्हें वर्ष 2022 में वेस्टइंडीज का सफेद गेंद कप्तान नियुक्त किया गया था लेकिन उसी साल ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी-20 विश्वकप में वेस्टइंडीज के लचर प्रदर्शन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी। पूरन ने वेस्टइंडीज़ के लिए आखिरी बार दिसंबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज में खेला था।

पूरन ने 2024 में टी-20 क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक 170 छक्के लगाए थे। उन्होंने क्रिस गेल का 135 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने 2015 में बनाया था। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में उन्होंने 196.25 के स्ट्राइक रेट से 524 रन बनाए थे।

भारतीय टीम को इंग्लैंड में हालात के अनुरुप ढलना होगा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटरों ने कहा है कि शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को इंग्लैंड में सफलता के लिए हालात के अनुसार ढलना होगा। इस सीरीज में भारतीय टीम को रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतरना है। इसी को देखते हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि पांच टेस्ट मैचों की यह सीरीज भारत के लिए विशेष हो सकती है। इसमें उसके युवा खिलाड़ अपने कौशल से कमाल कर सकते है। वहीं भारतीय टी के पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'भारत को इंग्लैंड के हालात के अनुरूप ढलना होगा। ऐसे में अनुशासन, संयम और एक दूसरे का सहयोग अहम रहेगागा। टीम के हर खिलाड़ी को योगदान देना होगा। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा, 'इंग्लैंड दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन मजेदार भी रहता है। हालात के अनुकूल ढलना अहम होगा और मुझे भरोसा है कि युवा खिलाडी अपने निडर अंदाज से जीत हासिल करेंगे। गेंदबाजी में हमारे पास अनुभव और स्थिरता है जिसका लाभ टीम को मिलेगा। पूर्व ऑलराउंड इरफान पठान ने कहा, 'भारत की नई टीम के सामने इंग्लैंड की कठिन चुनौती है पर मैं कह सकता हूं कि हालात के अनुरूप ढलने पर सब कुछ आसान हो जाएगा। शुभमन की कप्तानी,में युवओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉन ने कहा कि 25 वर्ष के गिल को टेस्ट कप्तान बनाना साहसिक फैसला है और यह निर्णायक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल भारतीय टेस्ट क्रिकेट का नया चेहरा है । इंग्लैंड दौरे के लिए उसे कप्तान बनाने का फैसला साहसिक है।

लंदन

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने मंगलवार को लॉर्ड्स में बुधवार से शुरु होने वाली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के लिए अपनी एकादश की घोषणा कर दी। कल यहां ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने मीडिया के समक्ष अपनी एकादश की घोषणा की। टीम में पूर्व नंबर वन रैंक वाले टेस्ट बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन के साथ उस्मान ख्वाजा सलामी जोड़ी के रूप में मैदान में उतरेंगे। गेंदबाजी में जॉश हेजलवुड को बाएं हाथ के गेंदबाज मिशेल स्टार्क और कमिंस के साथ एकादश में जगह दी गयी है। वहीं ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन पीठ की सर्जरी से उबरने के बाद अपना पहला टेस्ट खेलेंगे। ब्यू वेबस्टर ने एकादश में अपना स्थान बरकरार रखा है उसे मध्यम गति गेंदबाज के रूप में और स्पिनर के विकल्प के तौर पर टीम में रखा गया है।

ऑस्ट्रेलिया एकादश इस प्रकार है: उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरून ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन और जॉश हेजलवुड।

मैच के आगे बढ़ने पर बल्लेबाजों के लिए मददगार साबित हो सकती है। पहली पारी में 400 के आसपास के स्कोर की उम्मीद है। मौसम पूर्वानुमानों के अनुसार पहले दिन बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होने का भी अनुमान है, लेकिन शेष दिन शुष्क रहने के आसार है। दोनों टीमें टॉस जीतने पर पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनेंगी, ताकि मैच में बाद में होने वाली बल्लेबाजी के अनुकूल परिस्थितियों का अधिकतम लाभ उठा सकें।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने आज से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अपनी एकादश की घोषणा कर दी है। कल यहां मीडिया के समक्ष एकादश के चयन को लेकर बावुमा ने कहा है कि मुल्डर काफी युवा हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मुल्डर के साथ खेलने, उन्हें देखने और पिछले दो वर्षों में लाल गेंद के प्रारूप में उनके प्रदर्शन को देखकर मुझे लगता है कि उनका एकादश में होना टीम के लिए मजबूती प्रदान करेगा। यह उनके आत्मविश्वास को बढ़ायेगा, उसका समर्थन करते रहने और उसे वह करने देने के बारे में है जो वह सबसे अच्छा करता है। दबाव की स्थिति में खेलना उसके पास मौका है। उन्होंने कहा कि केशव महाराज एकमात्र पूर्णकालिक स्पिनर हैं। वह इस गेंदबाजी लाइनअप में लुंगी एनगिडी के साथ कैगिसो रबाडा, मार्को जेनसन भी शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीका की एकादश इस प्रकार है: एडन मारक्रम, रयान रिकेल्टन, वियान मुल्डर, टेम्बा बावुमा (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम, काइल वेरिन (विकेट कीपर), मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी।

दक्षिण अफ्रीका के लिये पाकिस्तान के खिलाफ शानदार फॉर्म में रहे डेन पैटरसन (पैटो) भी एकादश में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लुंगी का रिकॉर्ड भी बेहतर है वह पैटो से कुछ भी कम नहीं है। उसके पास अनुभव है।

प्रियंका ने सत्र की पहली जीत दर्ज की; रामबाबू को कांस्य

नई दिल्ली

भारत की पैदलचाल एथलीट प्रियंका गोस्वामी ने सत्र की पहली जीत दर्ज करते हुए इंसब्रूक में ऑस्ट्रियन रेसवॉकिंग चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 किलोमीटर दौड़ में पहला स्थान हासिल किया। गोस्वामी ने 47 मिनट और 54 सेकेंड का समय निकाला। उनके नाम 20 किलोमीटर रेसवॉक में एक घंटे, 28.45 मिनट का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। 10 किलोमीटर में उनका सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 45 मिनट और 47 सेकेंड का है जो उन्होंने 2022 में बनाया था।

इंसब्रूक में पुरुषों की 35 किलोमीटर रेसवॉक में संदीप कुमार दूसरे और राम बाबू तीसरे स्थान पर रहे।

बोपन्ना 15 साल में पहली बार शीर्ष 50 से बाहर,सुमित नागल 233वें स्थान पर

नई दिल्ली

45 वर्ष के रोहन बोपन्ना 15 साल में पहली बार शीर्ष 50 से बाहर हो गए। पिछली बार 27 वर्ष के नागल जुलाई 2023 में शीर्ष 200 से बाहर हुए थे जब वह 231वीं पायदान पर थे। उसके बाद से वह जुलाई 2024 में कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 68वीं रैंकिंग तक पहुंचे। इस सत्र की शुरूआत से वह खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। वह इस साल जनवरी में रैंकिंग में शीर्ष 100 में थे लेकिन पिछले पांच महीने में 142 स्थान नीचे आ गए। भारत के ससिकुमार मुकुंद 430वें, करण सिंह 445वें , आर्यन शाह 483वें और देव जाविया 621वें स्थान पर हैं। युगल में युकी भांबरी छह पायदान चढ़कर 35वें स्थान पर हैं जबकि बोपन्ना 20 पायदान खिसककर 53वें स्थान पर आ गए हैं।पिछले साल जनवरी में वह युगल प्रारूप में नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। एन श्रीराम बालाजी 72वें, रित्विक बोलिपल्ली 72वें और विजय सुंदर प्रशांत 100वें स्थान पर हैं।

एटीपी सर्किट पर पिछले कुछ अर्से से खराब प्रदर्शन के कारण भारत के सुमित नागल एकल रैंकिंग में 63 पायदान गिरकर 233वें स्थान पर खिसक गए जो पिछले दो साल में उनकी सबसे खराब रैंकिंग है।

भारतीय फुटबॉल टीम एशिया कप क्वालीफायर में हांगकांग से हारी

कोलून (हांगकांग)

भारत को एएफसी एशिया कप क्वालीफायर में हांगकांग ने इंजरी टाइम में गोल कर हराया। कल यहां खेले गये मुकाबले में स्टीफन परेरा के इंजरी टाइम में दागे गोल के कारण मेजबान हांगकांग के खिलाफ 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। हॉफ टाइम के बाद कुरुनियन और ब्रैंडन फर्नांडिस की जगह नाओरेम सिंह के साथ सुनील छेत्री मैदान में उतरे। इस दौरान भारत के पास कई बार गोल करने के मौके आये लेकिन गोल करने में विफल रहे। रेफरी ने हांगकांग को उस समय पेनल्टी दी जब भारतीय टीम के गोलकीपर विशाल कैथ गोल लाइन से बाहर आए। इसका फायदा उठाते हुए स्टीफन ने गोल कर हांगकांग की जीत पक्की कर दी।

आईएसएसएफ विश्व कप

भारतीय निशानेबाज इलावेनिल वलारिवान का शानदार प्रदर्शन

महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली

भारतीय महिला निशानेबाज इलावेनिल वलारिवान ने आईएसएसएफ विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वलारिवान एक समय फाइनल में शीर्ष पर थीं, लेकिन अंत में उन्हें कांस्य से संतोष करना पड़ा। इलावेनिल ने 231.2 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की 18 साल की वैंग झिफेई ने 252.7 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि कोरिया की क्वोन युनजी ने 252.6 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया।

इलावेनिल ने हासिल की थी बढ़त

इलावेनिल ने फाइनल में 10.7 अंक के साथ शुरुआत की और फिर अपने अगले प्रयास में 10.8 अंक जुटाए। दो बार की ओलंपियन इलावेनिल शुरुआती पांच शॉट के बाद कोरिया की ओलंपिक चैंपियन युनजी से 0.3 अंक पीछे थी। वह 10.8 अंक के साथ शीर्ष पर पहुंचीं। इलावेनिल 12 शॉट के बाद 127.2 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। इस समय वैंग दूसरे स्थान पर थी। यहां 2018 में हुए विश्व कप में चौथे स्थान पर रहीं इलावेनिल ने 10.7 अंक के साथ अपनी बढ़त बरकरार रखी। भारतीय निशानेबाज हालांकि इसके बाद 9.8 अंक के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गई और अंततः उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

इससे पहले क्वालिफिकेशन की छह सीरीज के बाद इलावेनिल 635.9 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वैंग ने 637.9 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टेड 635.7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। वैंग का स्कोर क्वालिफिकेशन का विश्व रिकॉर्ड है। युनजी क्वालिफिकेशन में 635.6 अंक के साथ चौथे जबकि तुर्किये की एलिफ बेर्फिन अल्तुन (634.6) पांचवें स्थान पर रहीं। चीन की विश्व और एशियाई चैंपियन हेन जिआयु ने 634.2 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई।

भारत की राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू 632.4 अंक के साथ 15वें पायदान पर रहीं। केवल रैंकिंग अंक के लिए चुनौती पेश कर रहीं रमिता जिंदल ने 632.6 अंक के साथ 13वां स्थान हासिल किया। मेघना सजनार (केवल रैंकिंग अंक) और आर्या बोर्से ने क्रमशः 25वां और 60वां स्थान हासिल किया।

यॉर्कशायर के लिए काउंटी चैंपियनशिप और वनडे कप खेलेंगे रुतुराज गायकवाड़

लंदन

यॉर्कशायर ने भारतीय बल्लेबाज़ रुतुराज गायकवाड़ को अपने साथ जोड़ा है। गायकवाड़ जुलाई के अंत से सीज़न की समाप्ति तक उपलब्ध रहेंगे। वह पांच काउंटी चैंपियनशिप के मुक़ाबले खेलने के साथ ही वनडे कप का भी हिस्सा होंगे। वह सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह और चेतेश्वर पुजारा के बाद चौथे भारतीय बल्लेबाज है जो कि यॉर्कशायर की ओर से काउंटी खेलने वाले है। रुतुराज जुलाई में सरे के खिलाफ रोथसे काउंटी चैम्पियनशिप से पहले यॉर्कशायर टीम से जुड़ेंगे। 28 वर्षीय गायकवाड़ ने भारत के लिए छह एकदिवसीय और 23 टी-20 मैच खेले हैं और वर्तमान में इंग्लैंड का दौरा करने वाली भारत ए टीम का हिस्सा हैं। उनका प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत 41.77 है, जिसमें सात शतक शामिल हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में 16 शतकों के साथ उनका औसत 56.15 रहा है। गायकवाड़ ने यॉर्कशायर के साथ खेलने को लेकर कहा, मैं इंग्लैंड के बाकी घरेलू सत्र के लिए यॉर्कशायर के साथ जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। इस देश में क्रिकेट का अनुभव करना हमेशा से मेरा लक्ष्य रहा है और इंग्लैंड में यॉर्कशायर से बड़ा कोई क्लब नहीं है।

बुमराह के साथ बात करने से मेरा हौंसला बढ़ा : ग्रीन

लंदन

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कैमरून ग्रीन ने कहा है कि पीठ की सर्जरी से पहले उन्होंने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से बात की थी और इससे उनका हौंसला बढ़ा था। ग्रीन के अनुसार जब बुमराह की बातों से उनका मनोबल बढ़ा और सारी आशंकाएं निकल गयीं। ग्रीन को पिछले साल पीठ में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ था। यह चोट हालांकि 9 से 12 महीनों में स्वाभाविक रूप से ठीक हो सकती थी पर उन्होंने अक्टूबर में सर्जरी करवाने का फैसला किया। ग्रीन ने कहा, 'बुमराह ने सर्जरी करवाने से एक रात पहले मुझसे बात की थी। वह उस समय भारतीय टीम के लिए एक टेस्ट मैच खेल रहे थे। ऐसी कुछ बातें असल में काफी खास होती हैं और आपको इससे बहुत अच्छा महसूस होता है।

हॉकी इंडिया ने चार देशों के टूर्नामेंट के लिए जूनियर टीम की घोषणा की

नयी दिल्ली

हॉकी इंडिया ने मंगलवार को जर्मनी की मेजबानी में 21 से 25 जून तक होने वाले आगामी चार देशों के टूर्नामेंट के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। बर्लिन में होने इस टूर्नामेंट में भारत, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया और मेजबान जर्मनी की टीमें शामिल है। प्रत्येक टीम एक राउंड-रॉबिन पूल चरण में एक दूसरे के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद शीर्ष दो टीमों की फाइनल में भिड़ंत होंगी तथा तीसरे और चौथे स्थान के लिए मैच खेला जायेगा। भारतीय टीम की अगुवाई तेजतर्रार फॉरवर्ड अरिजीत सिंह हुंदल करेंगे। टीम के उप कप्तान की जिम्मेदारी अनुभवी डिफेंडर आमिर अली पर होगी। गोलकीपिंग विभाग की कमान बिक्रमजीत सिंह और विवेक लाकड़ा संभालेंगे। रक्षापंक्ति में, आमिर अली के साथ तालिम प्रियोबर्ता, शारदानंद तिवारी, सुनील पी बी, अनमोल एक्का, रोहित, रवनीत सिंह और सुखविंदर शामिल हैं। मिडफील्ड में, अंकित पाल, मनमीत सिंह, रोसन कुजूर, रोहित कुल्लू, थोकचोम किंग्सन सिंह, थौनाओजम इंगलेंबा लुवांग, अद्रोहित एक्का और जीतपाल है। फॉरवर्ड में गुरजोत सिंह, सौरभ आनंद कुशवाह, दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह, कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल और अजीत यादव शामिल हैं।

अर्जेंटीना के खिलाफ खेलने के लिए पूरी तरह हैं तैयार: हरमनप्रीत

एम्स्टर्डम

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय लीग की शुरुआत में नीदरलैंड से मिली हार को भुलाकर अर्जेंटीना के खिलाफ चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।आगामी मैचों से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, हम अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले मैचों में आने वाली चुनौतियों से वाकिफ हैं। टीम हर दिन कड़ा अभ्यास कर रही है और हमें अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है। अर्जेंटीना एक मजबूत टीम है और इस स्तर पर कोई भी मैच आसान नहीं होता। हरमनप्रीत ने कहा, हम किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। हमने इस टूर्नामेंट के लिए अच्छी तैयारी की है और लीड-अप में विभिन्न संयोजनों और रणनीतियों को आजमाया है। हमें अर्जेंटीना के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करने का भरोसा है। उन्होंने कहा, टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड रहा है, लेकिन हम किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले रहे हैं। वे परिणाम अतीत की बात हैं। हमें विश्वकप क्वालीफिकेशन के लिए वर्तमान में अच्छे प्रदर्शन करने की जरुरत है। टीम कड़ा अभ्यास कर रही है और कोचिंग स्टाफ हमें बहुत प्रोत्साहित कर रहा है। मुझे भरोसा है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में दोनों टीमों के बीच हुई भिड़ंत में अर्जेंटीना के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। पेरिस 2024 ओलंपिक में दोनों टीमों के बीच खेला गया रोमांचक ड्रॉ रहा था। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में भारत ने अर्जेंटीना को दो बार हराया। भारत को दूसरी जीत शूटआउट में मिली थी।

राहुल द्रविड़ ने बंगलुरू भगदड़ हादसे पर जताया दुख

नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बंगलुरू भगदड़ हादसे पर दुख जताया और इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना करार दिया। आरसीबी को मिली खिताबी जीत के जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हुई थी ।

पहाड़ी नृत्य में झलकी कश्मीरी संस्कृति, ढोल की थाप पर असम की प्रस्तुति

जनजातीय संग्रहालय में वर्षगांठ का जश्न, लोक सांस्कृतिक विविधता से सजे महुआ महोत्सव का रंगारंग समापन

भोपाल (नगर संवाददाता)

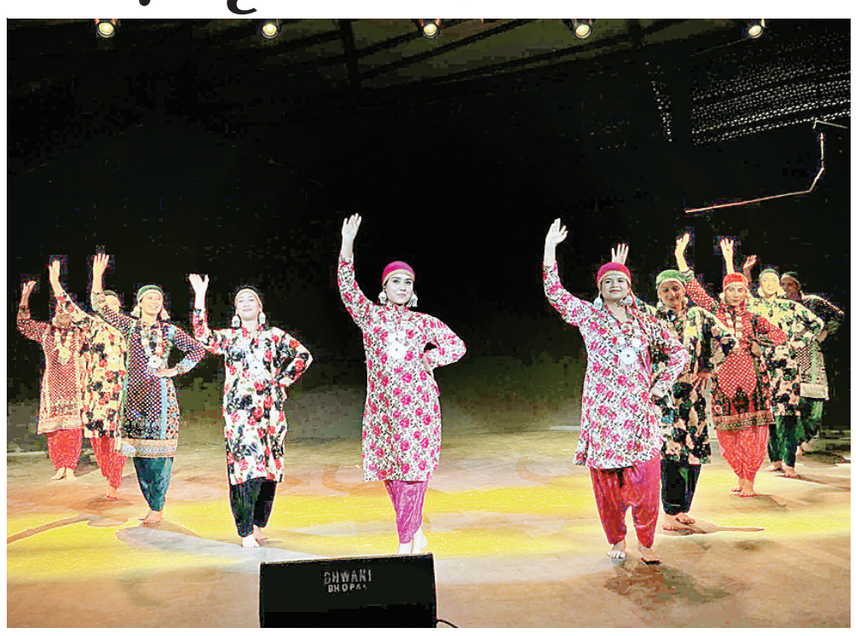

भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की 12वीं वर्षगांठ पर आयोजित महुआ महोत्सव का मंगलवार को रंगारंग समापन हुआ। प्रस्तुतियों की शुरूआत बुंदेली गायन से हुई। फूलसिंह मांडरे और साथियों ने विवाह व जन्म अनुष्ठानों पर आधारित गीतों से समां बांधा। उज्जैन की विनती जैन एवं टीम ने पारंपरिक मटकी नृत्य प्रस्तुत किया। कश्मीर से आई शमशाद बेगम और साथियों ने पहाड़ी नृत्य के जरिये घाटी की संस्कृति का सुंदर चित्र प्रस्तुत किया, जो न सिर्फ स्थानीय जीवन का हिस्सा है बल्कि पर्यटकों को भी मोहता है। राजस्थान के मावाराम ने गरासिया जनजातीय गैर नृत्य की सजीव प्रस्तुति दी तो वड़वाह के संजय महाजन ने गणगौर नृत्य के माध्यम से निमाड़ की लोक-परंपरा को मंच पर जीवंत किया। प्रयागराज की सुप्रिया सिंह ने आराधना और किवदंती से उपजा ढेड़िया नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं असम के बरलुम्बफा नारजारी की टीम ने ढाल ठुमरी में ढोल की थाप और ठुमरी गायन का अद्भुत समन्वय दिखाया। सागर से आए प्रहलाद कुर्मी और साथियों ने राई नृत्य की श्रृंगारिक लय और शौर्य के भाव से दर्शकों को बांधे रखा।

जनजीवन से जुड़े नृत्य-गीतों की श्रृंखला से सजा समारोह

लोक सांस्कृतिक विविधता से सजे इस पांच दिवसीय समारोह में पारंपरिक वाद्यों, रंग-बिरंगे वस्त्रों और जनजीवन से जुड़े नृत्य-गीतों की एक श्रृंखला मंच पर सजी। वहीं कठपुतलीकार विनोद भट्ट द्वारा सामाजिक संदेशों से युक्त रंगीन कठपुतली नाट्य लोकप्रिय रहा। यह आयोजन मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र नागपुर, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज व उत्तरप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के सहयोग से किया गया। इस दौरान कलाप्रेमियों को संग्रहालय में जनजातीय जीवनशैली, परंपराओं और स्वाद, शिल्प और प्रदर्शन कलाओं को संगम देखने को मिला।

शिल्प से स्वाद तक सब देसी: महोत्सव के दौरान संग्रहालय परिसर में पारंपरिक जनजातीय व्यंजन जैसे मक्का-ज्वार की पान रोटी, अरहर-बांस के करील, चेच भाजी, राई भाजी सहित कोदो-कुटकी से बने पकवानों का शहरवासियों ने स्वाद लिया। साथ ही करीब 22 शिल्पियों द्वारा लकड़ी, बांस, मिट्टी, गोबर, वस्त्र और पारंपरिक आभूषणों के हस्तशिल्पों की प्रदर्शनी और बिक्री की गई।

बरकतउल्ला और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलसचिव हटाए

■97 प्रोफेसर, 286 असिस्टेंट प्रोफेसर, 2 प्राचार्य समेत 554 के सिंगल आर्डर से तबादले

भोपाल (नगर संवाददाता)

तबादलों के लिए मोहन कैबिनेट द्वारा 17 जून तक की समय सीमा बढ़ाए जाने के बीच उच्च शिक्षा विभाग देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुल सचिव को हटा दिया है। इसके साथ ही बरकत उल्ला विश्वविद्यालय के कुल सचिव भी बदले गए हैं। इसके अलावा विभाग ने प्राचार्य, प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, लाइब्रेरियन, क्रीड़ा अधिकारी के थोक तबादले किए हैं। विभाग ने तबादले के विरोध में प्रोफेसरों और असिस्टेंट प्रोफेसरों को कोर्ट जाने से रोकने के लिए एक साथ सूची जारी करने के बजाय हर एम्प्लाई की सिंगल आर्डर वाली तबादला सूची जारी की है। तबादलों पर एक्शन के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने कोर्ट में केविएट भी लगा रखी है ताकि शासन का पक्ष सुनने के बाद ही कोर्ट तबादले का विरोध कर कोर्ट का दरवाजा खटखटाने वालों के मामले में फैसला दे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी तबादला आदेश में सभी विषयों के प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर प्रभावित हुए हैं। विभाग ने जो सूची जारी की है उसमें 44 लाइब्रेरियन, 97 प्रोफेसर, 32 क्रीड़ा अधिकारी, 286 सहायक प्राध्यापक और दो प्राचार्य शामिल हैं। यह सभी तबादला आदेश 9 जून की डेट में जारी हुए हैं। विभाग के अफसरों के मुताबिक अभी कुछ और प्रोफेसरों के तबादले हो सकते हैं। साथ ही प्राचार्य भी बदले जाएंगे। विभाग ने तृतीय श्रेणी कैडर के 83 कर्मचारियों को भी स्थानांतरित किया है।

आज जारी होगी कई अन्य विभागों की तबादला सूची: शासन द्वारा पूर्व में दस जून को तबादला आदेश जारी करने की समय सीमा तय किए जाने के चलते आज कई अन्य विभागों की भी तबादला सूची जारी होने की संभावना है।

यहां के कुल सचिव, उपकुलसचिव और सहायक कुल सचिव बदले

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 9 जून को जारी तबादला आदेश में 15 कुलसचिव और सहायक कुल सचिव के तबादले किए हैं। आदेश में प्रभारी कुल सचिव बरकत उल्ला विश्वविद्यालय भोपाल आईके मंसूरी (उपकुल सचिव) को अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय में प्रभारी कुल सचिव बनाया गया है। उपकुल सचिव और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव अजय वर्मा को बीआर अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू का प्रभारी कुल सचिव बनाया गया है। इसी विश्वविद्यालय के उपकुल सचिव प्रज्जवल खरे को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर का प्रभारी कुल सचिव बनाया गया है। अटल बिहारी वाजयेपी हिन्दी विश्वविद्यालय के प्रभारी कुल सचिव और उपकुलसचिव शैलेंद्र जैन को प्रभारी कुलसचिव राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा पदस्थ किया गया है। यहां युवराज पाटिल प्राध्यापक प्रभारी कुल सचिव के प्रभार से मुक्त होंगे। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण स्कूल में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ उपकुल सचिव अजीत श्रीवास्तव को बरकत उल्ला विश्वविद्यालय में उपकुलसचिव पदस्थ किया गया है। बरकत उल्ला विश्वविद्यालय के उपकुल सचिव सरिता चौहान को पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल में प्रभारी कुल सचिव बनाया गया है। इनके चार्ज लेने के बाद प्राध्यापक डॉ आशीष तिवारी प्रभारी कुल सचिव की सेवा से मुक्त रहेंगे। राकेश कुमार चढ़ार सहायक कुल सचिव महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर को रानी अवंतीबाई लोदी विश्वविद्यालय सागर में सहायक कुल सचिव बनाया गया है। पिंकी मनकानी सहायक कुल सचिव अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा को सहायक कुल सचिव बरकत उल्ला विश्वविद्यालय भोपाल पदस्थ किया गया है। संध्या मालवीय सहायक कुलसचिव डॉ बीआर् अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू को सहायक कुल सचिव देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर पदस्थ किया गया है। पुष्पांजलि अजनारे सहायक कुलसचिव देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर को सहायक कुल सचिव डॉ बीआर अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू पदस्थ किया गया है।

ग्रामीण आजीविका मिशन ने किए सहायक विकासखंड प्रबंधकों के तबादले

उधर पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के अधीन ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से 9 जून को सहायक विकासखंड प्रबंधकों की पहली सूची जारी की गई है जिसमें 6 प्रबंधक शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इस विभाग की दो सूची अभी जल्द जारी होने वाली हैं। इसके अलावा पंचायत और ग्रामीण विकास के मनरेगा, आरईएस, पंचायत राज के अफसरों और कर्मचारियों की सूची भी जारी होने वाली है।

वाणिज्यिक कर विभाग में 19 अफसरों के स्थानांतरण

वाणिज्यिक कर विभाग ने वाणिज्यिक कर अधिकारी, सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी और उच्च पद के प्रभार वाले वाणिज्यिक कर अधिकारियों के तबादले किए हैं। विभाग ने अलग-अलग सूची के जरिये 19 अफसरों को इधर से उधर किया है। इस विभाग के अधीन पंजीयन और आबकारी विभाग से संबंधित जिला और सहायक जिला अधिकारी, सब रजिस्ट्रार, आबकारी निरीक्षक, आबकारी उपनिरीक्षकों की सूची जारी होना बाकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद वीडी शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार-वार्ता को किया संबोधित

जो काम अर्थव्यवस्था के डॉक्टर नहीं कर सके वे काम प्रधानमंत्री ने कर दिखाया : डॉ. यादव

■प्रधानमंत्री जी के 11 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहे विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर पत्रकार-वार्ता को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 2014 में पद संभालने के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए हर कीमत चुकाने को तैयार रहे हैं। उन्होंने कई कड़े फैसले लिये और तुष्टिकरण की राजनीति को समाप्त कर दिया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऐतिहासिक फैसले लिए जो पहले कभी नहीं हुए। जो काम अर्थव्यवस्था के डॉक्टर नहीं कर सके वे काम मोदी जी ने कर दिखाया। आज आर्थिक, सामरिक, कूटनीतिक सहित हर क्षेत्र में भारत का डंका बज रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की लोकतांत्रिक यात्रा पिछले 11 वर्षों में एक स्वर्णिम युग के रूप में दर्ज हो चुकी है। यह वह कालखंड है, जब देश ने मोदी के कुशल, दूरदर्शी और जन-समर्पित नेतृत्व में विकास, समावेशन और आत्मनिर्भरता की नई गाथा लिखी है। सरकार की नीतियां आज 140 करोड़ भारतीयों के जीवन को न सिर्फ आसान बना रही हैं, बल्कि उन्हें नए अवसर, नई उम्मीदें और नया आत्मविश्वास भी दे रही हैं। भारत एक नए आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंच पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह देश अब चुनौतियों से पीछे नहीं हटता, बल्कि उन्हें अवसर में बदलता है।

विदेशों में बज रहा भारत का डंका

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस के जमाने में देश कहने भर को गुटनिरपेक्ष रहा, लेकिन वास्तविक गुटनिरपेक्षता मोदी जी के कार्यकाल में आई है। पड़ोसी देशों और दुनिया में भारत की छवि बदली है। हम अमेरिका से अपनी जरूरत का सामान लेते हैं और हर तरह के विरोध को नकारते हुए रूस से भी सस्ता तेल खरीदते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच हम अपने छात्रों को वहां से निकालते हैं और भारत माता की जय बोलते हुए कई पाकिस्तानी छात्र भी वहां से निकलने में कामयाब हो जाते हैं।

मोदी जी के साहसिक निर्णयों से आई अनुकूलता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 11 वर्षों के कार्यकाल में अनेक साहसिक निर्णय लिए। 2014 के पहले की सरकारें भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी थी और देश की जनता में नकारात्मकता, निराशा और अविश्वास का माहौल था। प्रधानमंत्री मोदी के आने के बाद राजनीतिक व्यवस्था में सकारात्मकता, पारदर्शिता और परिणाम का समावेश हुआ। देश आशावाद से भर गया, लोगों में भरोसा जगा कि मोदी है, तो मुमकिन है। यह केवल नारा नहीं, बल्कि जनमानस की धारणा बन गई है। राज्यसभा में बहुमत न होते हुए भी पूरे देश में जीएसटी लागू किया। शाहबानो केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद कांग्रेस की राजीव गांधी सरकार ने कदम पीछे खींच लिए थे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने तीन तलाक विरोधी कानून बनाकर मुस्लिम बहनों को परेशानियों से मुक्ति दिलाई। न्यायालय की महत्ता को स्थापित करते हुए उन्होंने सदियों पुराने राम मंदिर विवाद का पटाक्षेप किया और अयोध्या में राम मंदिर के भूमिपूजन से लेकर उसका लोकार्पण भी किया। जबकि सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के भूमिपूजन कार्यक्रम में जाने से तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने इनकार कर दिया था। डॉ. यादव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 देश के माथे पर विभाजन की लकीर की तरह थी। विरोधी दल ये धमकी दे रहे थे कि अगर धारा 370 हटाई गई, तो देश में आग लग जाएगी, खून की नदियां बह जाएंगी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ और मोदी जी ने बड़ी सहजता से धारा 370 समाप्त कर दी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने आतंकवादियों पर जो प्रहार किए, उसके बाद पाकिस्तान की भाषा बोलने वाले लोग देश हित की बात करने लगे हैं। जब नायक शक्ति संपन्न हो, सरकार सक्षम हो तो ऐसी ही अनुकूलता आती है। मोदी ने अपने साहस से वातावरण बदल दिया।

मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन महामंत्री ने प्रदर्शनी किया उद्‌घाटन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के विकसित भारत के अमृतकाल-सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 साल पर आधारित प्रदर्शनी का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्‌घाटन कर अवलोकन किया। इस दौरान पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालती राय, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, जिला प्रभारी महेन्द्र यादव एवं जिला अध्यक्ष रविंन्द्र यति सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विमोचन | सप्रे संग्रहालय में बाल कहानी संग्रह गूंगी गुड़िया का विमोचन

मोबाइल के दौर में बच्चों के हाथों में देनी होगी कविता-कहानी की किताबें

भोपाल (नगर संवाददाता)

साहित्य मनुष्य को संवेदनशील बनाता है। यदि हम बच्चों को अच्छा साहित्य पढने को देंगे तो वे संस्कारित होंगे। तकनीक के इस दौर में बच्चों के हाथों में कविता-कहानी की किताबें पहुंचाना ही होगा। यह समय की जरूरत भी है। इस तरह के विचार मंगलवार को माधवराव सप्रे संग्रहालय में सुनाई दिए। अवसर था बाल साहित्यकार एवं बाल पत्रिका की संपादक इंदिरा त्रिवेदी के बाल कहानी संग्रह 'गूंगी गुड़िया के विमोचन का। बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया थीं। अध्यक्षता साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सप्रे संग्रहालय के संस्थापक निदेशक पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर उपस्थित थे जबकि सारस्वत अतिथि की भूमिका बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र के निदेशक महेश सक्सेना ने निभाई। संचालन कवि-पत्रकार दीपक पगारे ने किया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि मोबाइल के इस युग में हमें बच्चों के हाथों में अच्छा साहित्य पहुंचाना होगा। पाश्चात्य संस्कृति जिस तरह हमारे नई पीढ़ी को प्रभावित कर रही है उससे केवल साहित्य ही बचा सकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में साहित्य अकादमी के निदेशक और सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. विकास दवे ने कहा कि साहित्य हमें संवेदनशील बनाता है।

नाटक | पारिवारिक विघटन और अकेलेपन की वापसी पर केंद्रित कहानी

वापसी ने दर्शकों को भावनाओं के सागर में डुबो दिया

भोपाल (नगर संवाददाता)

रविंद्र भवन में मंगलवार को देश रंग मंडप द्वारा मंचित नाटक वापसी ने दर्शकों को भावनाओं के सागर में डुबो दिया। निर्देशक सौरभ लोधी के निर्देशन में प्रस्तुत यह नाटक लेखिका उषा प्रियंवदा की कहानी पर आधारित था, जिसमें एक रिटायर्ड पुरुष की पारिवारिक उपेक्षा को दर्शाया गया। गजाधर बाबू के माध्यम से पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक जीवनशैली के टकराव को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटक की खास बात यह रही कि इसमें बर्टोल्ट ब्रेख्त के थ्योरी ऑफ एलिवेशन (अलगाव का सिद्धांत) और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र के विचारों का संगम करते हुए मंच पर ही सेट परिवर्तन किए गए। आठ पात्रों वाले इस नाटक की 1 घंटे 10 मिनट की अवधि के दौरान कहीं भी फेड आउट का प्रयोग नहीं किया गया, जिससे नाटकीय कृत्रिमता और यथार्थ का संतुलन बना रहा। पुनीत सूर्यवंशी के नाट्य रूपांतरण में दर्शकों को महसूस होता रहा कि यह एक प्रस्तुति है, हकीकत नहीं।

अभिभावकों ने किया बच्चों की हस्तकला प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल, आरएनएन। जवाहर बाल भवन के हस्तकला प्रभार की ओर से आयोजित ग्रीष्मकालीन सत्र का मंगलवार को समापन हुआ। इस अवसर पर सुनीता शर्मा के निर्देशन में हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी कला के रंग बिखेरे। प्रदर्शनी का शुभारंभ बच्चों के अभिभावकों से कराया गया। अभिभावक समीना अली,हीरालाल गौड़, ममता सुनेरिया के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

विधानसभाध्यक्ष तोमर का सम्मान किया गया

भोपाल। आश्वासन समिति अध्ययन दल ने विधानसभाध्यक्ष अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का असम की आसामी गमछा तथा आसामी पारंपरिक होराई से सम्मानित किया, मध्य प्रदेश विधानसभा की आश्वासन समिति के सभापति हरिशंकर खटीक एवं गौरव सिंह पारधी सदस्य द्वारा पारंपरिक होराई एवं गमछा द्वारा सम्मानित किया गया इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा भी उपस्थित थे।

प्रबंध संचालक एस कृष्ण चैतन्य ने की मेट्रो के कामकाज की समीक्षा

भोपाल मेट्रो डिपो का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की रिपोर्ट ली

भोपाल (नगर संवाददाता)

मंगलवार को मेट्रो के प्रबंध संचालक एस. कृष्ण चैतन्य, आईएएस ने भोपाल में निर्माणधीन मेट्रो के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने सुभाष नगर स्थित भोपाल मेट्रो डिपो का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। स्थल नरीक्षण की शुरुआत अनलोडिंग-बे से शुरू हुई एवं ऐडमिन बिल्डिंग, ट्रैनिंग बिल्डिंग आदि प्रमुख साइट्स का मुआइना किया एवं प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। इसी दौरान इन्स्पेक्शन-बे, मैन्ट्नन्स, रिपेयर-बे, बॉउन्ड्री वॉल, डिपो रोड़ सहित विभिन्न कार्यों का अवलोकन किया। साथ ही डिपो मे चल रहे ढलान संरक्षण कार्य इत्यादि कार्यों का भी जायजा लिया एवं विस्तृत जानकारी ली। प्रबंध संचालक द्वारा कॉनट्रैक्टर को निर्देश दिए कि मानसून से पहले-रोड़ (जल निकास) एवं महत्वपूर्ण कार्यों को ससमय पूर्ण कर लिया जाए, जिससे अन्य कार्य बाधित न हों।

कांट्रेक्टर के साथ निर्माण कार्यो की चर्चा की

एस. कृष्ण चैतन्य ने भोपाल मेट्रो सुभाष नगर डिपो मे चल रहे निर्माण कार्यों का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण करने के साथ सभी संबंधित विभागों, मेट्रो अधिकारियों, कन्सल्टन्ट व कान्ट्रैक्टर के साथ कार्यों की प्रगति संबंधित जानकारी ली गई। प्रबंध संचालक के निरीक्षण में वरिष्ठ अधिकारीगण संजय सिंह, महाप्रबंधक (सिविल) एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ जनरल कंसल्टेंट और मेट्रो निर्माण ठेकेदारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 19 जून को आएंगी मप्र : डॉ. यादव

विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी जिले की ग्राम पंचायत तालून में होगा कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का आगामी 19 जून को मध्यप्रदेश आगमन प्रस्तावित है। राष्ट्रपति मुर्मु विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी जिले की ग्राम पंचायत तालून में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में शासकीय सेवकों के स्थानांतरण अब 17 जून तक किए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक प्रारंभ होने के पहले मंत्रीगण से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के संबंध में मंत्रीगण से विचार विमर्श किया।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)